चातुर्वेदसंस्कृतप्रचार-ग्रन्थमाला-००४

भारतीय-वैभव-ज्ञानमाला

कनिष्ठ वर्गः

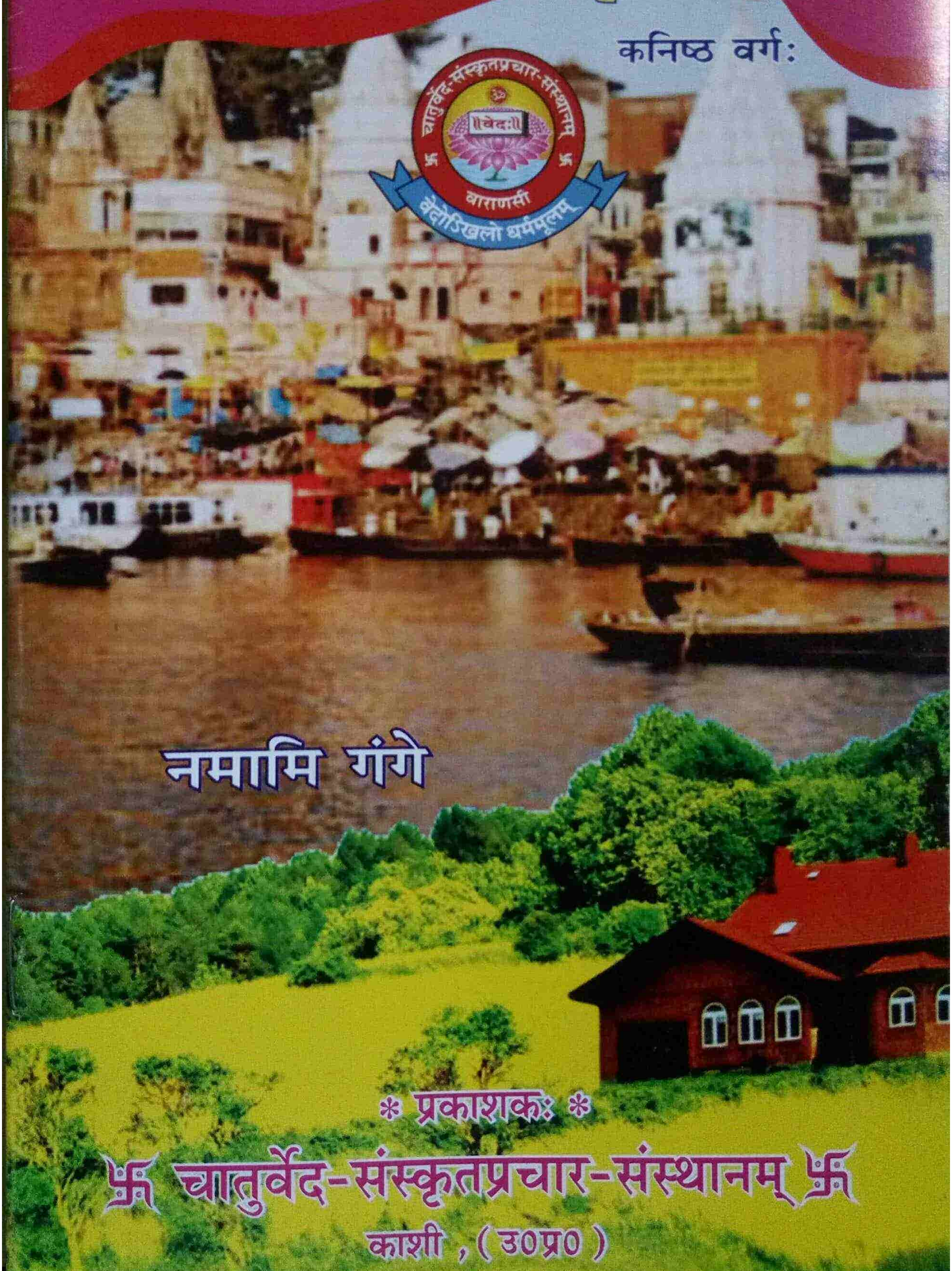

नमामि गंगे

* प्रकाशकः *

卐 चातुर्वेद-संस्कृतप्रचार-संस्थानम् 卐

काशी, (उ०प्र०)

प्रिय छात्रों,

आप को पता ही है कि हमारा देश भारत एक विशाल देश है। विभिन्न मत, पन्थ, सम्प्रदाय एवं धर्म को मानने वाले लोग यहाँ भाई चारे के साथ रहते हैं। विविधता में एकता हमारी पहचान है। इस देश ने सम्पूर्ण मानव को सभ्यता और संस्कृति का पाठ पढाया है। ज्ञान-विज्ञान के प्रथम ग्रन्थ ऋग्वेद को दिया है। आज ज्ञान-विज्ञान जो प्रगति कर रहा है उस प्रगति का दृष्टिकोण वेद, स्मृति, पुराणादि विशाल संस्कृत साहित्य है। सभी धर्म, विचार इसके बाद ही अस्तित्व में आये।

हमारे धर्मग्रन्थों में जड-चेतन, प्रकृति-पुरुष सभी को महत्त्वपूर्ण स्थान दिया गया है। जीवन सुख-दुःख दोनों से युक्त है, अतः दुःखों, कष्टों, परेशानियों से मुक्ति के लिए बहुत से उपाय बताये गये हैं। प्रकृति को ईश्वर का अप्रतिम उपहार कहा है। इस उपहार को हम अपना धरोहर बनावें। जीवन के उत्कर्ष- अपकर्ष का सामना कर सुख का मार्ग प्रशस्त करें। इसके लिए जीवन को स्वस्थ बनाना होगा क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क होता है। स्वस्थ मस्तिष्क सुसंस्कृत समाज और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करता है। कहा भी गया है- 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' (धर्म - कार्य को सम्पन्न करने का प्रथम साधन है शरीर। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक पं0 मदन मोहन मालवीय जी छात्रों को हमेशा कहते थे- सत्य, ब्रह्मचर्य, व्यायाम, विद्या, देशभक्ति, आत्मत्याग के द्वारा अपने समाज में सम्मान के योग्य बनो।

सत्येन ब्रह्मचर्येण व्यायामेनाथ विद्यया।
देशभक्त्याऽत्मत्यागेन सम्मानार्हः सदा भव।।

भारतीयवैभव-ज्ञानपरीक्षा के द्वारा एक आह्वान

वन, नदियाँ मानव समाज के लिए वरदान होते हैं। अनेक ऋषि-मुनियों ने इन पवित्र नदियों के तट पर, वृक्षों के नीचे बैटकर तप किया, अपने अपने मनोरथों को पूर्ण किया है। हमारे देश भारत में इनका सांस्कृतिक, धार्मिक तथा भौगोलिक महत्त्व है। देश की अपनी धरा को हरा-भरा तथा स्वच्छ करने के लिए सरकार के साथ आप और हम मिलकर नदियों को स्वच्छ रखें, वृक्षारोपण करें, आरोपित वृक्षों का संरक्षण करें अपनी धरा को सजाएँ। अपनी मातृभूमि को स्वर्ग से सुन्दर बना कर प्रकृति को उपहार दें।

आइये हम संकल्प लें जन्मदिन पर वृक्ष लगायेंगे पृथ्वी को हरा-भरा बनायेंगे। अपने आस-पास कहीं वृक्ष कटे, गिरे, या सूखे तो वहाँ वृक्षारोपण को प्रेरित करें या स्वयं वहाँ वृक्ष लगायें। वृक्ष लगाने की स्पर्धा करें, अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर प्राकृतिक सौन्दर्य तथा स्वास्थ्य का उपहार प्राप्त करें।

सधन्यवाद!

आपका अपना
डॉ. चन्द्रकान्तदत्त शुक्ल
लेखक/संपादक/परीक्षा संयोजक
8318867067

प्रकाशकः
चातुर्वेद-संस्कृतप्रचार-संस्थानम्
सम्पर्कसङ्केतः
मञ्जूत्रिशक्तिभवनम्
सी.के. 66/22 बेनियाबागः, वाराणसी
csps.kashi@gmail.com
f चातुर्वेद-संस्कृतप्रचार-संस्थानम्

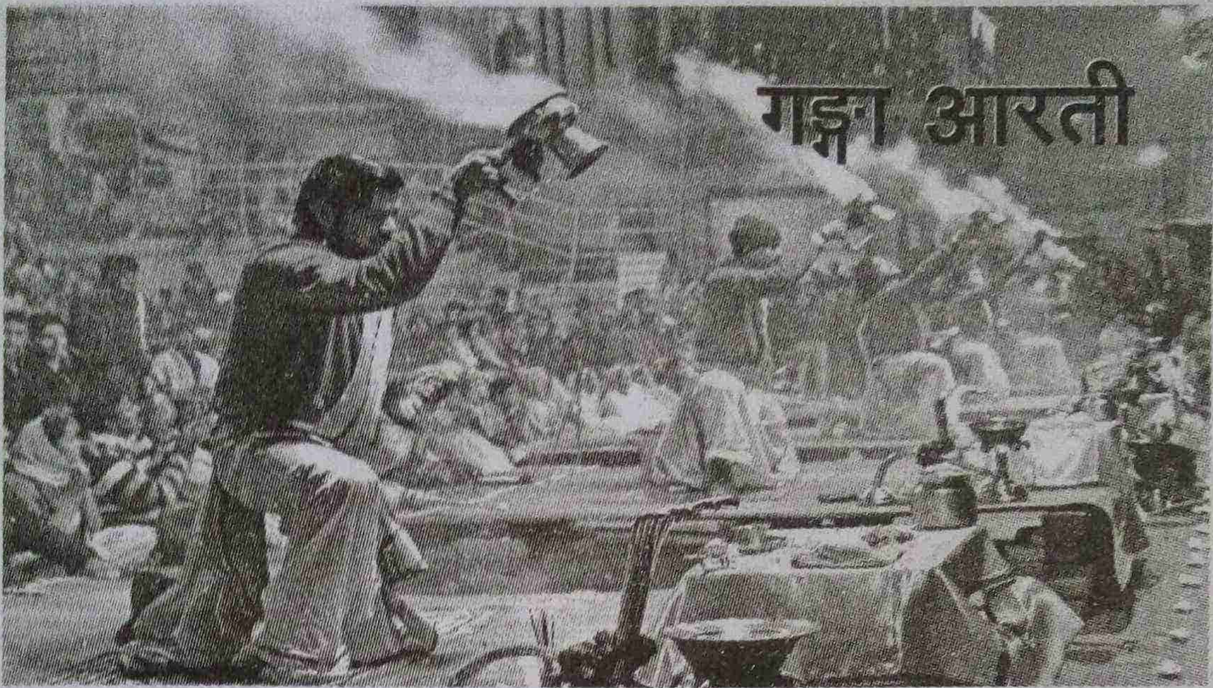

गङ्गा एकानदी अस्ति। एषा भारतस्य महत्त्वपूर्णानदी अस्ति। एषा हिमालयपर्वताद् निर्गच्छति। बंगालकी खाड़ी इति सागरस्य सुन्दरवनं यावत् विशालं भूभागं सिञ्चति। गङ्गा नदी भारतस्य प्राकृतिक सम्पदा अस्ति। अस्माकं भावनायाः आस्थायाः आधारः अस्ति। हिन्दुधर्मे जन्मकालाद् आरभ्य मृत्यु पर्यन्तं मातृवत् पालयति। कृषिकर्मसम्पादने अत्यन्तं विशिष्टं सहयोगं करोति। गङ्गानद्याः महिमा भारतीयशास्त्रेषु वेदेषु पुराणेषु, साहित्येषु वर्णित अस्ति। वयं भारतीयाः आदररूपेण 'गङ्गा माँ' इति सम्बोधनं कुर्मः।

गङ्गा-नद्याः परिचयः -

गङ्गायाः पर्यायवाचि-शब्दाः- भागीरथी, जाह्नवी, देवनदी, मन्दाकिनी, विष्णुपदी, सुरसरि, सुरापगा, देवापगा, त्रिपथगा, नदीश्वरी, अलकनन्दा।

गङ्गायाः उपनद्यः- गण्डकः, घाघरा, कोसी, यमुना, सोन, महानन्दा, महाकाली, करनाली।

भारते गङ्गानद्याः तटे स्थितानि नगराणि-वाराणसी, हरिद्वारम् , प्रयागः, पटना।

गङ्गानद्याः उद्गमः - उत्तराखण्डे हिमालयस्य गोमुखात्, गंगोत्री स्थानात् ।

गङ्गायाः प्रवाह-मार्गस्य दूरी- 2525 कि0मी0।

योगदानम् - गङ्गा कृषि- पर्यटन- धार्मिक- क्रीडा- उद्योग-विकासादिषु महत्वपूर्ण योगदानं ददाति। स्वच्छं पवित्रं जलं ददाति। अस्या उपरि सेतुः, बन्धः, नदी-परियोजनाः अस्माकं विद्युत्, पेयं जलं, कृषिसिञ्चनादिकं पूरयन्ति।

राष्ट्रीय-नदी- गङ्गा- नवम्बर 2008 भारतसर्वकारेण गंगा नदी राष्ट्रीय नदी घोषिता।

राष्ट्रीय-जलमार्गः- इलाहाबादतः हल्दिया 1600 किमी गङ्गा नदी राष्ट्रीय जलमार्गः घोषितः।

गंगानद्याः, प्रधानशाखा- भागीरथी अस्ति। उत्तराखण्डस्य कुमायूँ जनपदे हिमालये गोमुख नामकं स्थानम् अस्ति। तत्रैव यस्मात् स्थानत् गंगा प्रवहति तस्य नाम गंगोत्री अस्ति।

गङ्गा नदी का प्रवाह कैसे बना?

हिमालय में नन्दा देवी, कामत पर्वत एवं त्रिशूल पर्वत से पिघलने वाला हिम-स्रोत गङ्गा नदी है। यद्यपि गङ्गा के आकार में अनेक छोटी-छोटी धाराओं का योगदान है। 6 बड़ी और उनकी 5 छोटी सहायक धाराओं का भौगोलिक तथा सांस्कृतिक महत्व है। अलकनन्दा की सहायक नदी धौली, विष्णुगंगा तथा मन्दाकिनी है। अलकनन्दा विष्णुप्रयाग में धौली गंगा से, नन्द प्रयाग में नन्दाकिनी नदी से कर्णप्रयाग में कर्णगंगा, ऋषिकेश रूद्रप्रयाग में मन्दाकिनी से और अन्त में देवप्रयाग में भागीरथी से संगम करती हुई बहने वाली धारा गङ्गा नदी है। संगम के इन स्थानों को **पञ्चप्रयाग** कहा जाता है। पञ्च प्रयागों से 200 किमी0 पर्वतीय मार्गों से होते हुए मैदानी भाग हरिद्वार को स्पर्श करती हैं। (देव प्रयाग में भागीरथी बायें एवं अलकनन्दा दाये मिलकर गंगा का निर्माण करती हैं।)

गङ्गा हरिद्वार से गढमुक्तेश्वर, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर होते हुए इलाहाबाद पहुँचती है। यहाँ यमुना से संगम होता है। यह हिन्दुओं का महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। इसे तीर्थराज प्रयाग कहा जाता है। यहाँ कुम्भ मेला भी लगता है। 2019 में यहाँ कुम्भ पर्व मनाया जायेगा।

- प्रयाग से गंगा आगे चलकर मोक्षदायिनी काशी (वाराणसी) में वक्र रूप लेती है। यहाँ गंगा उत्तरवाहिनी कहलाती हैं।
- मीराजापुर पटना, भागलपुर होते हुए पाकुर पहुँचती हैं। इस बीच घाघरा, सोन, गण्डक, कोसी आदि नदियाँ सहायक होती हैं।
- भागलपुर में राजमहल की पहाड़ियों से यह दक्षिणावर्ती होती हैं।
- पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के गिरिया स्थान के पास गंगा नदी भागीरथी और पद्मा इन दो शाखाओं में विभाजित हो जाती हैं।
- भागीरथी गिरिया से दक्षिण एवं पद्मा नदी दक्षिण पूर्व की ओर बहनें लगती है। यही फरक्का होते हुए बांग्लादेश में प्रवेश करती है।
- मुर्शिदाबाद शहर से हुगली शहर तक गंगा का नाम भागीरथी नदी तथा हुगली शहर से मुहाने तक गंगा का नाम हुगली नदी है।
- हुगली नदी कोलकाता, हावड़ा होते हुए सुन्दरवन भारतीय भाग सागर में जाकर मिलती है।
- पद्मा में ब्रह्मपुत्र से निकली शाखा नदी जमुना नदी एवं मेघना सुन्दरवन डेल्टा-बंगाल की खाड़ी में संगम करती है। इसे गंगासागर संगम भी कहते हैं। जो एक प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है।
- विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा सुन्दरवन है।
- सुन्दरवन डेल्टा से गंगा नदी की शाखा नदियाँ जालंगी, इच्छामती, भैरव, विद्याधरी तथा कालिन्दी हैं।
- सुन्दरी नाम वृक्षों के अधिक संख्या में पाये जाने के कारण उस स्थान का नाम सुन्दरवन है।

गंगा में मिलने वाली सहायक नदियाँ

- गंगा में उत्तर की ओर से यमुना, रामगंगा, घाघरा, ताप्ती, गंडक, कोसी और काक्षी मिलती है।

- दक्षिण के पठार से चम्बल, सोन, बेतवा, केन, टोंस आदि नदियाँ प्रमुख हैं।

- **यमुना** गंगा की सबसे प्रमुख सहायक नदी है। यह हिमालय के यमुनोत्री से निकलती है। चम्बल, बेतवा, शारदा और केन नदी यमुना की सहायक नदियाँ हैं।

रामगंगा- हिमालय के दक्षिणीभाग नैनीताल के निकट से निकलकर बिजनौर होते हुए कन्नौज के पास गंगा में मिलती है।

घाघरा- (करनाली) मप्सातुंग हिमनद से निकलकर अयोध्या, फैजाबाद होती हुई बलिया गंगा में मिलती है।

गण्डक- हिमालय से निकलकर नेपाल में शालिग्राम, बिहार में नारायणी नदी के नाम से बहती हुई सोनपुर में गंगा में मिलती है।

कोसी- ब्रह्मपुत्र के घाटी दक्षिण से अरूणनदी के रूप में एवरेस्ट के कंचन जंघा शिखरों से होती हुई शिवालिक को पार कर बिहार में गंगा में मिलती है।

सोन- अमरकण्टक (म.प्र.) पहाड़ी से निकलकर पटना के पास गंगा में मिलती है।

चम्बल- म.प्र. मऊ के निकट जनायब पर्वत से निकलकर इटावा से आगे यमुना में मिलती है।

बेतवा- म.प्र. भोपाल से निकलकर हमीरपुर के निकट यमुना में मिलती है।

प्राचीन काल में गंगा-यमुना नदी घने वनों से ढकी हुई रहती थी। इन वनों में सभी प्रकार के लगभग जानवर रहते थे। रंग बिरंगी पक्षियाँ अपने कलरव से गुञ्जायमान रखती थीं। जल में विविध प्रकार की मछलियाँ, सरीसृप, पाये जाते थे। डाल्फिन (सोंस) घड़ियाल भी थे। तटों पर विभिन्न स्तनधारी व अन्य प्रजातियों के वन्य जीव का आश्रय था। कुछ दुर्लभ प्रजातियों को आज संरक्षित किया गया है। बढ़ती हुई जनसंख्या के फलस्वरूप यह प्राकृतिक वनों का स्वरूप नष्ट प्राय है। आज भी डॉलफिन शार्क के कारण विश्व के वैज्ञानिकों की अधिक रूचि है। भारत और बांग्लादेश के लिए गंगा अपने सहायक नदियों के साथ सिंचाई का महत्वपूर्ण स्रोत है।मत्स्य उद्योग, कृषि, औषधीय, वनस्पति, पर्यटन, तीर्थस्थल आदि आर्थिक स्रोत हैं।

प्रमुख बन्ध एवं परियोजनाएँ

फरक्का बन्ध- पश्चिम बंगाल प्रान्त के गंगा नदी की प्रमुख सहायक नदी हुगली पर बना है।

टिहरी- उत्तराखण्ड के टिहरी जिले में है। यह भागीरथी नदी पर बना है। यह विश्व का पाँचवां सबसे ऊँचा बाँध है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्युत्, सिंचाई, पेयजल है जो दिल्ली, उत्तर- प्रदेश, उत्तराखण्ड को उपलब्ध कराता है।

भीमगोडा बैराज- इसे हरिद्वार में अंग्रेजों ने अस्थायी बनाया था। आज यह कृषि, सिंचाई में सहायक है।

गंगा नदी अपनी शुद्धता, पवित्रता के कारण आरम्भ से ही विश्ववन्द्या है। इसके

जल में प्राणवायु (आक्सीजन) की मात्रा बनाये रखने की असाधारण क्षमता है। अभी तक इसका कारण अज्ञात है। गंगा के जल से हैजा, पेचिश जैसी बीमारियां, महामारियाँ बड़े स्तर पर टल जाती हैं।

-औद्योगिक कचड़े, प्लास्टिक, नगरीकरण, नाले, जनसंख्या ने गंगा को अत्यधिक प्रदूषित कर दिया है।

गंगा की अविरलता तथा निर्मलता के लिए उपाय

नमामि गंगे- गंगा की सफाई के लिए कई पहल के बाद स्थायी सन्तोषजनक परिणाम न मिलने पर प्रधानमंत्री चुने जाने पर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने गंगा नदी में प्रदूषण नियन्त्रण और सफाई पर अभियान चलाया। इसके बाद 2014 में भारत अपने प्रथम आम बजट में 'नमागि गंगे' नामक परियोजना आरम्भ की। इसके तहत 48 औद्योगिक इकाइयों को बन्द करने का आदेश दिया है।

स्वच्छ परियोजन का आधिकारिक नाम **एकीकृत गङ्गा संरक्षण मिशन परियोजना या नमामि गंगे** है। यह प्रधानमन्त्री मा. नरेन्द्र मोदी जी का ड्रीम मिशन है। इस योजना के द्वारा 2500 किमी. की गंगा तट पर 29 बड़े शहर, 48 कस्बे 23 छोटे शहरों में कार्य होने हैं।

- इस योजना का गठन जुलाई 2014 विभिन्न विभागों के संयुक्त दायित्व के साथ हुआ।
- इस परियोजना में केन्द्रीय जलसंसाधन मंत्रालय, नदी विकास और गंगा कायाकल्प, केन्द्रीय प्रदूषण बोर्ड 1984 द्वारा गंगा बेसिन में सर्वे रिपोर्ट में गंगा प्रदूषण पर गहरी चिन्ता व्यक्त की। इसी आधार पर गंगा नदी में प्रदूषण रोकने के लिए तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्री राजीव गाँधी द्वारा गंगा कार्य योजना 1985 का शुभारम्भ किया गया। **और पहला गंगा एक्शन प्लान** बना। यह 15 साल चला। **1996 में राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना** में इसका विलय हो गया। **2009 में राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन अथॉरिटी** का गठन हुआ। इसमें गंगा के साथ यमुना गोमती, दामोदर व महानन्दा नदी को भी जोड़ा गया।
- 2011 में इस कार्य के लिए **राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन** का गठन एक पंजीकृत सोसाइटी के रूप में किया गया।
- नमामि गंगे द्वारा निजी क्षेत्र, व्यक्तिगत लोगों को जागरूक करना, आधुनिक शवदाह गृह, मॉडल धोबीघाट और घाटों का सुन्दरीकरण होना है।
- स्वच्छ गंगा निधि में गंगा स्वच्छता के लिए धनराशि का योगदान भी कर सकते हैं। आइये हम सभी हमारी सभ्यता, हमारी संस्कृति और विरासत के प्रतीक हमारी राष्ट्रीय नदी गंगा को सुरक्षित करने के लिए एक साथ आयें।

-प्रथम बार गंगा अविरलता निर्मलता के लिए पृथक मंत्रालय बना।

उत्तर-प्रदेश 'नमामि गङ्गे' जागृति यात्रा, गङ्गा हरीतिमा योजना

उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ जी ने **'नमामि गंगे' जागृति यात्रा'** का शुभारम्भ किया। होमगार्ड्स संगठन द्वारा जनपद बिजनौर से बलिया तक यात्रा सम्पन्न हुई। गङ्गा नदी के प्रवाह क्षेत्रों में मृदाक्षरण को रोकने एवं तटीय क्षेत्रों में हरियाली बढाने के उद्देश्य से मा0 मुख्यमन्त्री जी ने गङ्गा हरीतिमा योजना का शुभारम्भ किया। यह योजना राजय के 27 जिलों में हुयी है। जो गङ्गा नदी के तट पर स्थित हैं। इस योजना के अन्तर्गत नदी के तटों पर 1 किलोमीटर तक के क्षेत्रों में वृक्षारोपण करना मुख्य है। इसके अलावा प्रदेश के लोग अपनी निजी भूमि पर अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें अतः **'एक व्यक्ति एक वृक्ष'** का नारा भी दिया है।

सरकार की विभिन्न योजनाओं के बावजूद गंगा नदी को प्रदूषण मुक्त करना, इसकी अविरलता निर्मलता को अक्षुण्ण बनाये रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, तथापि इस राष्ट्रीय, सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक, औद्योगिक अभियान में सरकार के साथ-साथ निजी संस्थाएँ, उपक्रम, धार्मिक-सामाजिक संगठन भी पूरी निष्ठा और ईमानदारी से जुड़ें। गंगा के आस-पास रहने वाले सभी वासी एक-एक वृक्ष का आरोपण, गंगा की स्वच्छता अपना नैतिक कर्तव्य समझें। सभी लोगों को पूर्ण सकारात्मक ऊर्जा के साथ इस अभियान से जुड़ना चाहिए।

प्रश्नोत्तराणि

1. **स्रोतसामस्मि जाह्नवी**- अर्थात् सभी प्रवाहों में मैं गङ्गा हूँ। इति कः उक्तवान्?
   -श्रीकृष्णः, (श्रीमद्भगवद्गीता-10-31 विभूतियोगः)
2. **गङ्गाष्टकम् स्तोत्रस्य रचयिता कः अस्ति?** - महर्षिः वाल्मीकिः
3. **गङ्गालहरी- स्तोत्रस्य रचयिता** - पण्डितराज जगन्नाथः
4. **हिन्दुधर्मे मृत्युकाले मुखे कस्याः नद्याः जलं स्थाप्यते?** - गङ्गानद्याः।
5. **मृतात्मा- मुक्तये अस्थिप्रवाहः कुत्र क्रियते?** - गङ्गायाम् ।
6. **गङ्गानदी कुत्र विलीयते?** - बंगाल की खाड़ी
7. **देवनदी कस्याः नद्याः संज्ञा अस्ति?** - गङ्गानद्याः
8. **'नमामि गङ्गे' योजनायाः शुभारम्भः कः अकरोत्** - प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्रमोदी
9. **नदी संरक्षणाय प्रथमबारं किं जातम् ?**- केन्द्रीय जलसंसाधनमंत्रालयः
10. **गङ्गावतरणम् कस्य रचना अस्ति?** -जगन्नाथ दास रत्नाकरः
11. **कपिलमुनेः शापाद् राज्ञः सगरस्य 60 सहस्रपुत्राणां उद्धारः कथम् अभवत् ?**
    -भागीरथी गङ्गाजलस्पर्शेण
12. **गङ्गानदी राष्ट्रीयनदी कदा समुद्घोषिता?** - नवम्बर 2008
13. **हिन्दुधर्मे स्थान-व्यक्ति-वस्तुप्रभृतीनां शुद्धीकरणं कथं मन्यते?**
    - तीर्थजलेन (विशेषेण गङ्गाजलेन)
14. **गौ, गङ्गा, गीता, गायत्री- हिन्दुधर्मे विशिष्टं सम्बोधनं किम् अस्ति?** - माँ, देवी

15. **विश्वस्य बृहत्तमं डेल्टा स्थानं किम् अस्ति?** - सुन्दरवनम्
16. **फरक्का नदी बन्धः कस्यां नद्यां निर्मितोऽस्ति?** - गङ्गानद्याम्
17. **गङ्गानद्याः स्वच्छतायै प्रथमा योजना का निर्मिता**- गंगाकार्ययोजन 1985
18. **गङ्गानद्याः उद्गमस्थलं किम् अस्ति?** - गंगोत्री (हिमालयः)
19. **भारते कृषि कर्मणि सिञ्चनव्यवस्थायाः आधारः** - नद्यः, कुल्यः (नहरें)
20. **'हरिद्वारम्' कस्याः नद्याः तटे स्थितम् अस्ति?** - गङ्गानद्याः
21. **चम्बलनद्याः उद्गमस्थलं किम् अस्ति?** - जनायब पर्वतः
22. **कस्य देशस्य कृषि-कर्मणि महत्त्वपूर्णं साधनं गङ्गानदी अस्ति?**- भारतस्य, बांग्लादेशस्य
23. **कः राजा स्व-तपोबलेन गङ्गां पृथिवीम् आनीतवान् ?** - राजा भगीरथः
24. **कस्य जटायां माँ गङ्गा विराजते?** - भगवतः शिवस्य
25. **कश्चिद् गङ्गायां अपशिष्टानि प्रक्षिपति, दृष्ट्वा भवान् किं करिष्यति?**
    - अवरोधं करिष्यामि निवेदनेन सह
26. **गण्डकनदी कस्याः नद्याः उपनदी अस्ति?** - गङ्गा
27. **जलसंसाधन-मन्त्री कः अस्ति?** - साध्वी उमा भारती
28. **पञ्चप्रयागः किम् कथ्यते?**- विष्णुप्रयागः, नन्दप्रयागः, कर्णप्रयागः, रूद्रप्रयागः, देवप्रयागः
29. **सर्वप्रथमं गङ्गानदी प्रर्वतात् कस्मिन् स्थाने प्रवहत् ?** - हरिद्वारम्
30. **कस्याः नद्याः तटे कुम्भपर्वः आयोज्यते?**- गङ्गा, गोदावरी, शिप्रा
31. **गङ्गापुत्र नाम्ना कः कथ्यते?**- सत्यव्रतः
32. **गङ्गायाः विवाहः केन राज्ञा सह अभूत् ?** - शान्तनु- राज्ञा सह
33. **नमामि गङ्गे योजनायाः आधिकारिकं नाम किम् अस्ति?** -एकीकृत गङ्गा संरक्षण-मिशन।
34. **गङ्गायाः प्रवाहदूरी (लम्बाई)**- 2525 कि0 मी0
35. **गङ्गायाः प्रवाहदूरी (लम्बाई) उत्तरप्रदेशे**- 1000 कि0 मी0
36. **नमामि गङ्गे योजनायाः** क्रियान्वयनं त्रिस्तरे भवति- राष्ट्रीय गङ्गा परिषद्, राज्य गङ्गा समिति, जनपदगङ्गासमिति।
37. **एन.जी.टी. किम् अस्ति?** नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल
38. **गङ्गानद्याः तटे कति मुख्य-नगराणि सन्ति?**- 97 (नव सप्ततितिः)
39. **केन केन उद्योगेन गङ्गा सर्वाधिक-प्रदूषिता भवति?**- शर्करा-उद्योगः, कर्गद-निर्माणोद्योगः, मल-प्रवाहिका (सीवर), प्रदूषितं रासायनिकं जलम्
40. **नेशनल गङ्गा रिवर बेसिन अथॉरिटी- संस्थायाः गटनं कदा अभवत्?**- फरवरी,2009
41. **राष्ट्रीय गङ्गापरिषद्- अस्याः गटनं कदा जातम् ?**- अक्टुबर 2016
42. नमामि गङ्गे योजनायां कति नद्यः सम्मिलिताः सन्ति?- 40 (चत्वारिंशत्)
43. गङ्गायां कः राष्ट्रीयजलमार्गः निर्मीयते?- राष्ट्रीयजलमार्गः (वाराणसी- हल्दिया 1680 कि.मी.)

वृक्षाणां/पादपानां/वनस्पतीनां महत्त्वम्

भारतीय संस्कृति में वृक्षों का विशेष महत्व है। हिन्दू धर्म में वृक्षों को प्रत्यक्ष देवता माना गया है। भगवान् श्री कृष्ण कहते हैं **'वृक्षाणाम् अश्वत्थोऽहम्'** अर्थात् वृक्षों में मैं अश्वत्थ (पीपल का वृक्ष) हूँ। इसी तरह केले में गुरुदेव वृहस्पति (भगवान् विष्णु) का तुलसी को भगवान् विष्णु की प्रिया ही हैं। आदिकाल से ही मनुष्य पेड़ की छाल के कपड़े पहनता था, फल-फूल खाता था, लकड़ी के अस्त्र-शस्त्र बनाकर शिकार करता था। लकड़ी जलाकर रक्षा और भोजन करते थे। **वृक्ष** वर्षा एवं बाढ़ में भूमि के कटाव को रोकते हैं, ग्रीष्म ऋतु में प्रचण्ड सूर्य के ताप से छाया व स्वच्छ हवा द्वारा हमारे जीवन की रक्षा करते हैं। अतः वृक्षों को काटना पाप माना जाता है। वृक्ष न केवल वर्षा में सहायक हैं अपितु इनसे हमें फल, फूल, सब्जियाँ औषधि, आक्सीजन प्रचुर मात्रा में प्राप्त होते हैं। अधिक से अधिक वृक्षों के रोपण से सूखा, अकाल, जलसंकट, बाढ़ (जल प्रपात) आदि से आसानी से टाला जा सकता है। वृक्षों में हमारा पर्यावरण शुद्ध तथा संतुलित रहता है इससे हमारा स्वास्थ्य, आरोग्य, दीर्घायु होता है। वृक्षों पशु-पक्षियों के लिए प्राकृतिक आवास भी होते हैं। वृक्षों से ग्लोबल वार्मिंग जैसे परिस्थितियों पर नियन्त्रण पाया जा सकता है।

धर्मशास्त्रों के अनुसार किस प्रकार के वृक्षारोपण से क्या फल मिलता है-

वृक्ष	लाभ	**वृक्ष**	लाभ
पाकड	ज्ञान तथा सुन्दर स्त्री	**बेल (बिल्वः)**	दीर्घायु
जामुन (जम्बू)	धन	**तेंदू**	कुल की वृद्धि
बबूल	पाप का नाश	**वजुल**	बल और बुद्धि
बरगद (वटः)	मोद (प्रसन्नता)	**आम (आम्रम्)**	अभीष्ट फल
सुपारी	सिद्धि	**महुआ (मधुकः), अर्जुन**-अन्न	
कदम्ब	लक्ष्मी	**इमली** धर्माचरण का क्षय	
शमी	आरोग्य	**केशर**	शत्रु नाश
कटहल	मन्द बुद्धि	**केवाच (मर्कटी)**सन्तति का क्षय	

अशोकः शोक नहीं होता है।बडी से बडी विपत्ति से छुटकारा मिलता है।

शीशम, अर्जुन, जयन्ती, करवीर, बेल, तथा पलाश स्वर्ग की प्राप्ति।

भविष्य पुराण के अनुसार जो व्यक्ति छायादार तथा फल-फूल, देने वाले वृक्षों को मार्ग, मन्दिर, नदी, तडाग आदि के किनारे लगाता है वह अपने पूर्वजों को पापों, दुःखों से

तारता है, उन्हें ऋणमुक्त करता है, और ऐसे वृक्षों को लगाने वाला स्वयं इस मनुष्य लोक में महान यश तथा शुभ परिणाम प्राप्त करता है। अतः-

- माँ की ममता वृक्ष का दान   दोनों करते जन कल्याण।
- वृक्ष की महिमा अपरंपार   देते हमको जीवन हजार ।
- एक वृक्ष सौ पुत्र समान।

दश कूप-समा वापी तडागो दश वापी-समाः।

तडागाः दश पुत्र-समाः दश-पुत्र-समो वृक्षः।।

अर्थात् दश कूयें के समान एक बावली, दश बावलियों के समान एक तालाब, दश तालाबों के समान एक पुत्र और दश पुत्र के समान एक वृक्ष होता है।

सम्बन्धित कुछ अन्य महत्त्व-

- वृक्ष प्रकाश संश्लेषण क्रिया के द्वारा अपना भोजन स्वयं बनाते और लेते हैं।
- आज भी वृक्ष हमें प्राणवायु (आक्सीजन) देते हैं जिससे हमारा जीवन चलता है।
- वृक्ष लगाना, संरक्षण करना पुत्र के समान है काटना पुत्र के लिए अमङ्गल माना जाता है।
- वृक्ष हमारे मित्र, माता-पिता, देवता आदि के समान हैं।
- वृक्षों (वानकी) की हरीतिमा नेत्रों को रोशनी प्रदान करती है, मन-मस्तिष्क को स्वस्थ रखती है।
- इनकी पत्तियाँ गिरकर खाद के रूप में पृथ्वी को उर्वरा बनाती हैं।
- महात्मा बुद्ध, आदि शंकराचार्य, महर्षि वाल्मीकि आदि ऋषि मुनियों ने इन वृक्षों के नीचे तप किया, वेद उपनिषद् आदि विविध शास्त्रों की रचना की। प्रसिद्ध तीर्थ गया (बिहार) में अश्वत्थ वृक्ष के नीचे महात्मा गौतम बुद्ध को बुद्धत्व प्राप्त हुआ।
- वट वृक्ष को देव वृक्ष भी कहते हैं, इसमें सभी देवों का वास होता है। अक्षय वट भगवान् श्रीकृष्ण प्रलय काल में इसी के पत्ते पर बालरूप में सप्तर्षियों को दर्शन दिये थे। प्रायागराज में आज भी अक्षय वट है।
- वट के नीचे ही सती सावित्री ने अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस लिए। आज भी हिन्दू धर्म में स्त्रियाँ अपने पति के दीर्घयु तथा अखण्ड सौभाग्य के लिए वटसावित्री का व्रत-पूजा करती हैं।
- पञ्चवटी- पीपल, बेल, बरगद, आँवला, अशोक इन छायादार वृक्षाों के वन को पञ्चवटी कहते है। वनवास के समय मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम दण्डकारण्य के पञ्चवटी में बहुत दिनों तक निवास किया था।
- वन किसी भी देश के अमूल्य धन होते हैं। वृक्ष नाइट्रोजन लेते हैं, आक्सीजन देते हैं।
- अपनी जड़ों से जल को ग्रहण कर मृदा-क्षरण, नदियों का प्रवाह नियन्त्रित रहता है।
- महान क्रान्तिकारी पं. चन्द्रशेखर तिवारी (आजाद) ने इलाहाबाद (अल्फ्रेड पार्क) उद्यान में वट वृक्ष के नीचे ही अपने वचन पालन किये और आजाद- आजाद ही रहे।

- श्री रविन्द्र नाथ ठाकुर ने वृक्षों की सघनता में (शान्ति निकेतन) पाण्डिचेरी में स्थापित किया।
- वृक्षों की सूखी लकड़ियाँ औषधि, इन्धन, आवास, अन्य साज सामान में अत्यन्त उपयोगी हैं।
- मानव और विश्व के लिए, धरा और अम्बर के लिए, जल और जीवन के लिए वृक्षों का जीवन और मृत्यु दोनों उपकारक हैं।

वृक्ष विनाश - वृक्षारोपण ही उपाय

आज बढ़ती जनसंख्या का विकराल रूप तथा मनुष्य की स्वार्थी प्रवृत्ति ने वृक्षों और वनों को विनाश की ओर उकसाया है। नगरीकरण, औद्योगिकीकरण, घर-फर्नीचर, व्यापार और व्यवसाय के लिए निर्ममता पूर्वक वृक्ष काटे जा रहे हैं। वनों का संहार किया जा रहा है। जिससे समस्त पर्यावरण का सन्तुलन बिगड़ गया है। ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषित पर्यावरण, पेयजल संकट, आदि पर पूरे विश्व सम्मेलन पर सम्मेलन किये जा रहे हैं। वृक्षारोपण एवं वनों की रक्षा की पुकार कर रहे हैं ।

- औद्योगीकरण के इस नवीन युग में वृक्षों के प्रति पूज्यभाव समाप्त ही हो गया है। जबकि हमारी भारतीय संस्कृति में जड-चेतन सभी को पूज्य स्थान दिया गया है। हमारे यहाँ पशु-पक्षियों, वृक्ष-वनस्पतियों, नदी-समुद्रों, वन-पर्वतों आदि सभी अपनी-अपनी विशेषताओं के कारण पूजित होते हैं। ये हमारे जीवन के महत्वपूर्ण अङ्ग हैं अतः इन्हें परिवार तक माना गया है। भारतीय संस्कृति ही प्रकृति को महत्व देते हये पूजा करती है।
- जनसंख्या वृद्धि के कारण वृक्षों, वनों, जंगलों, बाग-बगीचों के स्थान पर दुकान, भवन, बड़ी-बड़ी इमारतें, फैक्ट्रियाँ कल-कारखाने लगने लगे हैं।
- सड़कों की जाल बिछाने के लिए प्रतिदिन हजारों पेड़ काटे जा रहे हैं। वर्षों बीत जाते हैं वहाँ वृक्षारोपण नहीं होता है।

वृक्षारोपण एवं वानकी के लिए सरकारी प्रयास

- वृक्षों के कटाव, वनों के विनाश से उत्पन्न समस्याओं से मुक्ति के लिए पूरा विश्व जागरूक है। हमारे देश भारत में सरकार ने सर्वप्रथम 1950 में **वन महोत्सव** नामक योजना का शुभारम्भ किया। इस योजना के द्वारा नये वृक्ष आरोपित किये गये फिर भी योजना की शिथिलता, लोगों में जागरुकता व सचेष्टता की कमी देख 12 नवम्बर को केन्द्र सरकार ने सभी राज्यों को निर्देश दिया कि सरकार की अनुमत लिये बिना किसी भी राज्य में वृक्षों, जंगलों की कटाई नहीं होगी। इसके लिए केन्द्रीय कृषि व सिंचाई मंत्रालय के वन विभाग के महानिरीक्षक से पूर्व अनुमति लेनी होगी।
- प्रतिवर्ष वन महोत्सव का आयोजन किया जाता है। स्कूल-कालेजों में वृक्षारोपण एवं विविध आयोजन होते हैं।

भारत के राजकीय - राष्ट्रीय उद्यान एवं अभ्यारण्य

1.	**अभ्यारण्य/राष्ट्रीय उद्यान**	**स्थान/राज्य**
2.	काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	जोरहाट (असम)
3.	मानस बाघ अभ्यारण्य	बारपेटा (असम)
4.	केवला देव राष्ट्रीय उद्यान	भरतपुर (राजस्थान)
5.	सुन्दरवन, बाघ अभ्यारण्य	24 परगना (पं0 बंगाल)
6.	बान्धवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान	शहडोल (म0प0) बंगाल टाइगर की प्रसिद्धि
7.	कान्हा राष्ट्रीय उद्यान	मंडला, मध्य प्रदेश
8.	दुधवा राष्ट्रीय उद्यान	लखीमपुर उत्तर प्रदेश
9.	चन्द्रप्रभा अभ्यारण्य	वाराणसी उत्तर प्रदेश
10.	कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान	नैनीताल, उत्तराखण्ड (भारत प्रथम राष्ट्रीय उद्यान 1935 में बना यहाँ से रामगंगा नदी बहती है।
11.	राजाजी राष्ट्रीय उद्यान	देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी गढ़वाल
12.	दाचीगम राष्ट्रीय उद्यान	श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर)
13.	रणथम्भौर (बाघ अभ्यारण्य)	जयपुर राजस्थान
14.	घटाप्रभा पक्षी अभ्यारण्य	बेलगाम कर्णाटक
15.	गिर राष्ट्रीय उद्यान	जूनागढ़, गुजरात
16.	हजारीबाग नेशनल पार्क	हजारी बाग, झारखण्ड
17.	पेरियार अभ्यारण्य	इडडुकी (केरल) जंगली हाथियों के लिए प्रसिद्ध है।
18.	गहिरमाथा कछुआ अभ्यारण्य	केन्द्रपाड़ा (उड़ीसा)
19.	विक्रमादित्य गांगेय डाल्फिन	भागलपुर (बिहार)
20.	रानी झांसी मरीन नेशनल पार्क	अंडमान निकोबार द्वीप समूह
21.	साइलेंट वैली नेशनल पार्क	पलक्कड़ (केरल)

1-4 नं. तक का यूनेस्को द्वारा प्रसिद्ध विश्व धरोहर स्थलों में सूचीबद्ध है।

- **भारत के जंगल-** देश के भौगोलिक क्षेत्र का 23 प्रतिशत हैं।
- **देश में सर्वाधिक उद्यान-** मध्य प्रदेश में है।
- **भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान-** जम्मू-कश्मीर (लेह) में है। इसका नाम हिमिस है।
- **भारत का सबसे बड़ा बाघ अभ्यारण्य-** नागार्जुन सागर आन्ध्र प्रदेश में है।
- **सबसे अधिक वन्यजीव-** अंडमान निकोबार द्वीप समूह।
- **नन्दा देवी राष्ट्रीय उद्यान (फूलों की घाटी)-** उत्तराखण्ड
- **विश्व वन्य जीव कोष का प्रतीक-** पांडा है।

महत्त्वपूर्ण दिवस तथा अभियान

विश्व पृथ्वी दिवस- 22 अप्रैल (पर्यावरण संरक्षण के लिए मनाया जाता है। इसका आरम्भ अमेरिकी सीनेटर गेलार्ड नेल्सन ने 1969 में की थी। 1990 से विश्व पृथिवी दिवस 22 अप्रैल को मनाया जाता है।

पर्यावरण दिवस- 5 जून 1972 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने स्वीडन में पटना सम्मेलन किया। इसमें 119 देशों ने भाग लिया।

विश्व वन दिवस- 21 मार्च 2011 को प्रथम बार मनाया गया। जंगल और जलवायु परिवर्तन इसका मुख्य उद्देश्य है। 21 दिसम्बर 2012 में संयुक्त राष्ट्र में महासभा के संकल्प द्वारा 21 मार्च को घोषणा।

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस- केन्द्रीय आयुष मंत्रालय द्वारा 28 अक्टूबर 2016 से राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाये जाने की घोषणा की गयी। इसके साथ मधुमेह पर नियन्त्रण प्रमुख था। यह आयोजन धनवन्तरि जयन्ती के दिन हुआ। भगवान् धनवन्तरि को हिन्दु धर्म में देवताओं का वैद्य माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार ये भगवान विष्णु के अवतार माने जाते हैं। पृथ्वी पर इनका अवतरण (जन्म) समुद्रमन्थन के समय हुआ। इन्हें आरोग्य देवता भी कहते हैं। धनवन्तरि जयन्ती कार्तिक माह में कृष्णपक्ष त्रयोदशी को मनायी जाती है। इसे धनतेरस भी कहा जाता है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस- 7 अप्रैल 1950 (विश्व स्वास्थ्य संगङ्गन (W H O) के स्थापना दिवस पर पूरे विश्व में मनाया जाता है। इसके द्वारा सबको स्वास्थ्य के प्रति सचेत करना, और जनहित में स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण के लिए प्रेरणा देना है।

विश्व योग दिवस- 21 जून 2015 से आरम्भ हुआ है। इसका श्रेय भारत के प्रधानमन्त्री मा. नरेन्द्र मोदी जी का है। प्रधानमन्त्री जी के आह्वान पर 11 दिसम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र में 113 सदस्य देशों द्वारा 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव पास हुआ। संयुक्त राष्ट्र में किसी प्रस्ताव को मात्र 90 दिनों के अन्दर पूर्ण बहुमत से पारित किया गया तो वह है विश्व योग दिवस। 21 जून सबसे बड़ा दिन होता है।

विश्व जल दिवस- 22 मार्च 1992 से आरम्भ। इस दिन जल के महत्त्व को जानने का और पानी के संरक्षण हेतु लोगों को सचेत करना है। इसका अन्तर्राष्ट्रीय पहल 'रियो डि जेनेरियो' ने की।

विश्व जनसंख्या दिवस- 11 जुलाई 1987 से आरम्भ। पूरे विश्व में तेजी से जनसंख्या वृद्धि चिन्ता जनक है। चीन के बाद भारत विश्व का दूसरा सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है। सुन्दर-शिक्षा, स्वास्थ्य, वातावरण आदि के लिए छोटा परिवार सुखी परिवार की ओर लोगों को आकृष्ट करना है।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस- 28 जुलाई। जल, जंगल और जमीन इन तीन तत्वों से युक्त देश ही समृद्ध होता है। भारत जंगल वन्यजीवों के लिए प्रसिद्ध है। किन्तु अन्धाधुन्ध वृक्षों और पर्वतों की कटाई ने प्राकृतिक सन्तुलन प्रभावित किया है। अतः विविध प्रजाति के जीव, जन्तु

एवं वनस्पति की रक्षा उनके प्रति सचेत करना इस दिवस का उद्देश्य है।

गङ्गा दशहरा- ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि को पौराणिक काल से मनाया जाता है। आज के दिन गंगा जी का स्वर्ग से पृथ्वी पर आगमन हुआ था। इसे गंगावतरण दिवस भी कहते हैं। हिन्दु धर्म के इस प्रमुख पर्व पर स्नान, दान, पूजा का अधिक महत्व है।

गङ्गा सप्तमी- वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि को स्वर्ग से उतरी उनकी विशालता, भयावहता के कारण उन्हें शिवजी ने अपनी जटाओं में रोका। आज का दिन जन्मोत्सव के रूप में भी मनाते हैं।

-राष्ट्रीय स्वच्छता दिवस- 2 अक्टूबर महात्मागांधी जी के जन्म दिवस पर मनाया जाता है।

-स्वच्छ भारत अभियान- भारत सरकार द्वारा आरम्भ किया गया एक राष्ट्रीय अभियान है। महात्मा गाँधी के जन्मदिवस 2 अक्टूबर 2014 को राजघाट से आरम्भ किया गया। *स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत* महात्मा गाँधी का स्वप्न था। सरकार का प्रयास और जन आह्वान है कि राष्ट्रपिता के 150वें जन्मदिवस 2 अक्टूवर 2019 तक पूरा भारत स्वच्छ हो, साफ-सफाई के साथ हर घर, हर विद्यालय शौचालय सहित हो। कूडे-कचरों के निपटान की व्यवस्था हो।स्वच्छ पेय जल की उपलब्धता हो।

चिपको आन्दोलन- वृक्षों की कटाई रोकने के लिए यह एक महत्त्वपूर्ण आंदोलन था। 26 मार्च 1974 को (उत्तराखण्ड) चमोली जिले के वनों में शान्त और अहिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। व्यवसाय के लिए वृक्षों की कटाई रूके अतः महिलाएँ वृक्षों से चिपककर खड़ी हो गयी थी। आरम्भ में **गौरा देवी** ने कुछ महिलाओं के साथ विरोध किया, किन्तु ठेकेदार नहीं माने तो महिलाएं वृक्ष से चिपक कर खड़ी हो गयीं और कहा पहले हमें काटो फिर इन्हें काट लेना। यह आंदोलन स्वतः स्फूर्त सैकड़ों लोगों के संयुक्त प्रयास का परिणाम था। इसके मुख्य नेता **सुन्दरलाल बहुगुणा** जी थे।

कुछ महत्त्वपूर्ण तथ्य-

- वृक्षारोपण एवं वनों से मानसून चक्र सन्तुलित होता है, जिससे वर्षा समय से और पर्याप्त मात्रा में होती है।
- वानकी से भू-स्खलन (मृदा-क्षरण) रोक एवं जल संरक्षण होता है।
- वृक्ष उद्योगों के लिए कच्चा माल प्रदान करते हैं।
- कर्गद (कागज) उद्योग, फल, औषधि, जलवायु, माचिस, फर्नीचर, गोद, शहद, आदि के लिए तो मुख्य आधार हैं वृक्ष।
- एक सर्वेक्षण के अनुसार 25 प्रतिशत औषधियाँ वृक्षों से ही मिलती हैं।
- वन्यजीवों के लिए वन संरक्षण और वृक्षारोपण की महती आवश्यकता है। आज अनेक वन्य प्रजातियाँ पुस्तकों के चित्र मात्र रह गये हैं।
- वन/ जंगल पर्यटन के मुख्य आकर्षण हैं। प्राकृतिक सौन्दर्य को बढाते हैं।
- वृक्ष ग्रीन हाउस के प्रभाव को कम कर तापमान को नियन्त्रित करने में सहायक होते हैं।

भारतीयवैभव-ज्ञानपरीक्षा के द्वारा एक आह्वान

वन, नदियाँ मानव समाज के लिए वरदान होते हैं। अनेक ऋषि-मुनियों ने इन पवित्र नदियों के तट पर, वृक्षों के नीचे बैटकर तप किया, अपने अपने मनोरथों को पूर्ण किया है। हमारे देश भारत में इनका सांस्कृतिक, धार्मिक तथा भौगोलिक महत्त्व है। देश की अपनी धरा को हरा-भरा तथा स्वच्छ करने के लिए सरकार के साथ आप और हम मिलकर नदियों को स्वच्छ रखें, वृक्षारोपण करें, आरोपित वृक्षों का संरक्षण करें अपनी धरा को सजाएँ। अपनी मातृभूमि को स्वर्ग से सुन्दर बना कर प्रकृति को उपहार दें।

आइये हम संकल्प लें **जन्मदिन पर वृक्ष लगायेंगे पृथ्वी को हरा-भरा बनायेंगे।** अपने आस-पास कहीं वृक्ष कटे, गिरे, या सूखे तो वहाँ वृक्षारोपण को प्रेरित करें या स्वयं वहाँ वृक्ष लगायें। वृक्ष लगाने की स्पर्धा करें, अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर प्राकृतिक सौन्दर्य तथा स्वास्थ्य का उपहार प्राप्त करें।

राष्ट्रगानम्

जन-गण-मन अधिनायक जय हे,	**हे भारत के जन गण और मन के नायक (जिनके हम अधीन हैं)**
भारत-भाग्य-विधाता।	आप भारत के भाग्य के विधाता हैं, (वह भारत जो)
पञ्जाब-सिन्धु-गुजरात-मराठा,	पञ्जाब,सिन्धु,गुजरात और महाराष्ट्र -
द्राविड-उत्कल-बंग,	तमिलनाडु, उडीसा और बंगाल (जैसे राज्यों से बना है)
विन्ध्य-हिमाचल-यमुन गंगा,	जहाँ विन्ध्याचल और हिमिाचल जैसे पर्वत है
उच्छल-जलधि-तरङ्ग,	यमुना और गंगा जैसी नदियों की उच्छश्रृंखल तरङ्गें है,
तव शुभ नामे जागे,	आपका शुभ नाम लेकर ही प्रातः उठते है, (और हम)
तव शुभ आशिष मांगे,	आपके आशीर्वाद की याचना करते है,
गाहे तव जय गाथा,	सभी आप की ही जय गाथा गायें,
जन-गण-मङ्गल-दायक जय हे,	हे सभी जनों का मङ्गल करने वाले आप की जय हो,
भारत-भाग्य-विधाता,	आप भारत के भाग्य विधाता हैं,
जय हे, जय हे, जय हे,	आपकी जय हो जय हो जय हो,
जय जय जय जय हे ॥	आपकी सदा जय जय जय जय हो ।।

राष्ट्रगान- अवसरः

- नागरिक सैन्य-अधिष्ठापनावसरे । - राष्ट्रं यदा नमनं करोति ।
- सर्वकारीय कार्यक्रमाणाम् आयोजनावसरे ।
- सर्वकारय- कार्यक्रमेषु राष्ट्रपति,राज्यपालादनाम् आगमने गमनावसरे च।

- राष्ट्रध्वज-सम्माने । सेनाद्वारा रङ्गादीनां प्रस्तुतीकरणावसरे ।

- सांस्कृतिकावसरे । - भारतसर्वकारद्वारा निर्दिष्ट-सर्वेषु अवसरेषु ।

(यद्यपि यह सम्भव नहीं है कि कोई एक सूची दे दी जाए जिन पर राष्ट्रगान गाने की अनुमति दी जा सके । परन्तु राष्ट्रगान गाने पर तब तक कोई आपत्ति नही है जबतक इसे मातृभूमि को वन्दन करते हुए आदर के साथ गाया जाए और इसकी उचित गरिमा को बनाए रखा जाए । अतः विद्यालयेषु, संस्थानेषु, समितिषु, कार्यालयेषु दैनिककार्यक्रमेषु आदरभावपूर्वकं राष्ट्रगानं भवितुं शक्नोति)।

- राष्ट्रगानावसरे सावधानमुद्रा आवश्यकी अस्ति ।
- विशिष्ट-अवसरेषु राष्ट्रगानस्य आदि-अन्त पंक्तयःगीयन्ते ।

भारतस्य राष्ट्र-गानम् - जनगणमन अधिनायक जय हे।

भारतस्य राष्ट्रिय-गान-लेखकः- राष्ट्रकविः गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोरः

भारतस्य राष्ट्रिय-कालः- द्विपञ्चाशत् पलम् (52 सेकेण्ड)

,, राष्ट्रगाने पंक्तयःसन्ति - त्रयोदश (13)

संक्षिप्त-राष्ट्रगान-कालः - विंशतिः पलम् (20 सेकेण्ड)

भारतीय-सम्विधानद्वारा राष्ट्रगानरूपेण स्वीकृतिः- 24 जनवरी 1950

राष्ट्रगानस्य प्रथमगानम् - 27 दिसम्वर 1911ई. भारतीय राष्ट्रीय- कंग्रेसस्य कोलकाता अधिवेशने

भारतस्य राष्ट्रिय-ध्वजगीतम् - हिन्द देश का प्यारा झण्डा

भारतस्य राष्ट्रिय-चिह्नम् - अशोकस्तम्भस्य शीर्ष अनुकृतिः

भारतस्य राष्ट्रिय-वाक्यम् - सत्यमेव जयते (मुण्डकोपनिषद्)

भारतस्य राष्ट्रिय-गीतम् - वन्देमातरम् - बंकिम चन्द्र चटर्जी (आनन्दमठः)

भारतस्य राष्ट्रिय-सांस्कृतिकी/मातृभाषा- संस्कृतम्

भारतस्य राष्ट्रिय-सांस्कृतिकं प्रतीकम् - मङ्गल-कलशः

भारतस्य राष्ट्रिय-विदेशनीतिः- गुट-निरपेक्षः

भारतस्य राष्ट्रिय-सूचनापत्रम् (दस्तावेज)- श्वेतपत्रम्

भारतस्य राष्ट्रिय-फलम् - आम्रम्

भारतस्य राष्ट्रिय-क्रीडा - यष्टिकीडा (हॉकी)

भारतस्य राष्ट्रिय-मिष्ठान्नम् - जलेबी

भारतस्य राष्ट्रिय-जलीय-जीवः- डाल्फिन

भारतस्य राष्ट्रिय-उद्घोषः- श्रमेव जयते

भारतस्य राष्ट्रिय-नदी - गङ्गा

भारतस्य राष्ट्रिय-भाषा- हिन्दी

भारतस्य राष्ट्रिय-पुरस्कारः- भारतरत्नम्

भारतस्य राष्ट्रियः- ध्वजः- तिरङ्गा

भारतस्य राजधानी - नवदेहली

भारतस्य राष्ट्रिय-लिपिः-देवनागरी

भारतस्य राष्ट्रिय-मुद्रा - रूपया

भारतस्य राष्ट्रिय-वृक्षः- अशोक-वृक्षः **भारतस्य राष्ट्रिय-पशुः-** व्याघ्रः
भारतस्य राष्ट्रिय-पक्षी - मयूरः **भारतस्य राष्ट्रिय-पुष्पम् -**कमलम्
भारतस्य राष्ट्रिय-पर्व- 26 जनवरी गणतन्त्रदिवसः, 15 अगस्त स्वतन्त्रतादिवसः, 2 अक्टूवर (गान्धीजयन्तिः)

***

प्रथमम्

विश्वस्य प्रथमः ग्रन्थः- **वेदः (ऋग्वेदः)**
प्रथमो धर्मः- **सनातन धर्मः**
ब्रह्माण्डस्य प्रथमः पुरुषः/प्रथमा स्त्री- **मनुः/ शतरूपा** (सप्तरूपा)
स्वतन्त्र भारतस्य प्रथम-महिला प्रधानमन्त्री- **श्रीमती इन्दिरा गान्धिः**
प्रथम-भारतीय अन्तरिक्षयात्री, महिला- **कल्पना चावला**
प्रथम-भारतीय अन्तरिक्षयात्री, पुरुष- **स्क्वाडन लीडर राकेश वर्मा**
भारतस्य प्रथमः उपग्रहः- **आर्यभट्टः**
'भारतरत्न' प्राप्तकर्ता प्रथमः भारतीयः- **डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन्**
संस्कृते प्रथमं चलचित्रम् - **शङ्कराचार्यः**
भारतस्य प्रथमः गर्वनर जनरल अधिकारी- **लार्ड विलियम बेंटिक,**
स्वतन्त्र-भारतस्य प्रथमः/अन्तिमः जनरल अधिकारी- **चक्रवर्ती राजगोपालाचारी।**
स्वतन्त्र-भारतस्य प्रथमः/अन्तिमः जनरल अधिकारी (विदेशी)- **लार्ड माउण्ट बेटन**
नोबेल पुरस्कार प्राप्तकर्त्ता प्रथमः भारतीयः- **रवीन्द्र नाथ ठाकुरः**
भारतीय-गणराज्यस्य प्रथमः मुस्लिम राष्ट्रपतिः- **डॉ0 जाकिर हुसैन**
स्वतन्त्र-भारतस्य प्रथमः शिक्षामन्त्री- **अबुलकलाम आजादः**
स्वतन्त्र-भारतस्य प्रथमः गृहमन्त्री- **सरदार बल्लभ भाई पटेलः**
स्वतन्त्र-भारतस्य प्रथमः उपराष्ट्रपतिः- **डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन्**
स्वतन्त्र-भारतस्य प्रथमः प्रक्षेपास्त्रम् - **पृथ्वी**
मैग्सेसे पुरस्कार-प्राप्तकर्त्ता प्रथमः भारतीयः - **आचार्य विनोवाभावे**
भारते प्रथमः महिला मुख्यमन्त्री- **सुचेता कृपलानी**
भारतरत्नं प्राप्तकर्तृ प्रथमः महिला- **श्रीमती इन्दिरा गान्धी**

द्वितीयम्

आयन-द्वयम् **उत्तरायणं, दक्षिणायनम् च** (सूर्य छः-छः मास इन आयनों में रहता है)
महाकवि-कालिदासस्य महाकाव्य-द्वयम् - **रघुवंशम् , कुमारसम्भवम् च**
द्वि प्रकारकं शौचम् (पवित्रीकरणम्)- **ब्राह्मम्** (स्नानादिद्वारा) **आभ्यन्तरम्** (प्राणायाम-सन्ध्यावन्दनादि द्वारा) शरीर की शुद्धि होती है।

तृतीयम्

संस्कृत-व्याकरणम्

संस्कृते पुरुषाः(PERSONS) भवन्ति- **त्रयः, प्रथम-पुरुषः, मध्यम-पुरुषः, उत्तम-पुरुषः**
संस्कृते कालाः(Tense)भवन्ति- **त्रयः,भूतकालः, वर्तमानकालः, भविष्यकालः**
संस्कृते वचनानि(Numbers)भवन्ति- **त्रीणि, एकवचनम्, द्विवचनम्, बहुवचनम्**
संस्कृते लिङ्गानि(Genders)भवन्ति- **त्रीणि, पुलिङ्गम्, स्त्रीलिङ्गम्, नपुंसकलिङ्गगम्**
त्रिवेणी- **गंगा, यमुना, सरस्वती (संगमः, प्रयागः)**
ऋणत्रयम् - **पितृऋणम् , ऋषिऋणम् , देवऋणम्**
त्रयः दिन-भागाः- **पूर्वाह्णः, मध्याह्नः, अपराह्णः**
त्रिविधम् आचमनम् - **ॐ केशवायनमः,ॐ नारायणायनमः, ॐ माधवाय नमः**

(स्नान द्वारा शरीर की बाह्य शुद्धि, उसके बाद दायें हाथ में जल लेकर तीन बार इन तीन नामों का उच्चारण करते हुए मन में विष्णु भगवान् का ध्यान करने से आन्तरिक शुद्धि होती है।)

भारतीय-शासनस्य त्रीणि अङ्गानि- **व्यवस्थापिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका।**
त्रयः स्वराः (वेदे)- **उदात्तः, अनुदात्तः, स्वरितः**

लघुत्रयी- महाकवि कालिदासस्य काव्यानि-

1. रघुवंशमहाकाव्यम् - 19 सर्गाः, मर्यादापुरुषोत्तम श्रीराम के वंशजों का वर्णन, इसमें दिलीप, रघु, अज, दशरथ, राम इन पाँच महाप्रतापी सूर्यवंशी राजाओं का वर्णन है।

2. कुमारसम्भवम् - 17सर्गाः, इसमें भगवान् शिव और माता पार्वती से कुमार स्वामी अर्थात् स्वामी कार्तिकेय की उत्पत्ति का वर्णन है।

3. मेघदूतम् - 2 खण्ड, (पूर्व-उत्तर) यह खण्डकाव्य, दूतकाव्य, गीतिकाव्य आदि के नाम से प्रसिद्ध है। इसमें नायक यक्ष (हेममाली) अपनी प्रिया-पत्नी (विशालाक्षी)को मेघ से सन्देश भेजता है।

त्रिविधा - भूमिः- **उन्नत-प्रदेशः, निम्न-प्रदेशः, सम-प्रदेशः**
त्रयः प्राणायामाः- **पूरकः, कुम्भकः, रेचकः**

चतुर्थम्

भारतीय-सभ्यतानुसारम् मानवजीवनं साफल्यं प्राप्नोति..।

चत्वारः आश्रमाः- **ब्रह्मचर्यम्, गृहस्थः, वानप्रस्थः, सन्यासः**
चत्वारो वर्णाः- **ब्राह्मणः, क्षत्रियः, वैश्यः, शूद्रः**
चत्वारो पुरुषार्थः- **धर्मः, अर्थः, कामः, मोक्षः।**
चतस्त्रः दिशः- **प्राची (पूर्व), प्रतीची (प०),उदीची (उ०), अवाचि (द०)**
चत्वारो उपदिशः- **अग्निकोणः, ईशानकोणः, वायव्यकोणः, नैर्ऋत्यकोणः**

सेना चतुष्टयम् - **रथ, गजः, अश्वकः, पदातिः** (प्राचीन काल में युद्ध में चार प्रकार के सैनिक होते थे, रथी, हाथी, घोड़े और पैदल)

जीवने चतस्त्रः अवस्थाः- **बाल्यम्, कौमारम् , यौवनम् , वार्धक्यम्।**

यः विनम्रः तस्य चत्वारि वर्धन्ते- **आयुः, विद्याः, यशः, बलम् ।**

पञ्चमम्

भारतीय-संस्कृतेः पञ्च-मानविन्दवः -गणेशः, गंगा, गौः, गीता, गायत्री।

पञ्च-ज्ञानेन्द्रियाणि -नेत्रम् , नासिका, कर्णः, जिह्वा, त्वक्।

पञ्च-कर्मेन्द्रियाणि - वाक्, हस्तः, पादः, पायू तथा उपस्थ।

हिमालयस्य पञ्च-शिखराणि - गौरीशंकरः (एवरेस्ट), कंचनजंघा, धौलागिरिः नंदादेवी, अन्नपूर्णा च।

पञ्च-पाण्डवाः - युधिष्ठिरः, भीमः, अर्जुनः, नकुलः, सहदेवः।

पञ्च कन्याः - अहल्या, द्रौपदी, सीता, तारा, ब्रह्मयज्ञः।

षष्ठः

षड् ऋतवः - शिशिरः, बसंतः, ग्रीष्मः, वर्षा, शरदः, हेमन्तः।

षड् दोषाः - निन्द्रा, तन्द्रा, भयं, क्रोधः, आलस्यम् , दार्घसूत्रता।

षड् शत्रवः - कामः, क्रोधः, मदः, लोभः, मोहः, मत्सरः।

षड् नित्यकर्माणि - स्नानम् , सन्ध्या, जपम् , देवपूजा, अग्निपूजा, अतिथिपूजा।

षड् दर्शनम् - साख्यं, योगः, न्यायः, वैशेषिकः, मीमांसा, वेदान्तदर्शनम्।

सप्तमः

सप्त-पुरयः

1. अयोध्या(अवध) उ0प्र0 - भगवान-श्रीरामचन्द्रस्य जन्मभूमिः, सरयूनदी।
2. मथुरा (उ.प्र.) - भगवतः श्री कृष्णस्य जन्मभूमिः, यमुनानदी।
3. मायापुरी (हरिद्वारं) उत्तराञ्चलम् - कुम्भमेलास्थानम् , गंगानदी।
4. काशी (वाराणसी) उ0प्र0 - भगवतः शिवस्य ज्योतिर्लिंगम्, गंगानदी।
5. काञ्ची- तमिलनाडु - आद्यशङ्कराचार्यस्य मठः, दक्षिणकाशी।
6. अवन्तिका (उज्जैन म.प्र.) - महाकालेश्वर ज्योर्तिलिङ्गम् , विक्रमादित्यस्य राजधानी, कुम्भस्थलम् , मध्यप्रदेशः क्षिप्रानदी।
7. द्वारका (द्वारावती गुजरातः) - श्रीकृष्णस्य राजधानी, आद्यशङ्कराचार्यद्वारा स्थापितम् शारदापीठम्।

सप्तचिरजीविनः - अश्वत्थामा, बलिः, व्यासः, हनुमान् , विभीषणः, कृपाचार्यः, परशुरामश्च।
व्याकरणे सप्त विभक्तयः -प्रथमाः, द्वितीया, तृतीया, चतुर्थी, पञ्चमी, षष्ठी, सप्तमी।
रामचरितमानसे सप्तकाण्डानि - बालकाण्डः, अयोध्याकाण्डः, किष्किन्धाकाण्डः।

अष्टमः

अष्टधातवः - स्वर्णम्, रजतम्, रांगा, ताम्रम्, जस्ता, शीशम्, पारदम्, अयस्।
अष्टांग-योगः -यमः, नियमः, आसनं, प्राणायामः, प्रत्याहारः, धारणः, ध्यानम्, समाधिः।
अष्टविधः विवाहः - ब्राह्मं, प्राजापत्यम् , आर्षः, देवः, गान्धर्वः, आसुरः, पैशाचः, राक्षसः। (मनुस्मृतिः)

नवमः

नवग्रहाः -सूर्यः, चन्द्रः, भौमः, बुधः गुरुः, शुक्रः, शनिः राहुः केतुः।
व्याकरणे नव स्वराः - अ, ई, उ, ऋ, ऌ, ए, ऐ, ओ, औ।
नव दुर्गाः (नवशक्तयः) - शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चन्द्रघण्टा, कूष्माण्डा, स्कन्दमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, दुर्गा।
नवरसाः (साहित्यशास्त्रे) -शृंगारः, वीरः, करुणः, अद्‌भुतः हास्यम्, भयानकः, वीभत्सः, रौद्रः, शान्तः।

दशमः

भगवतः दश अवताराः - मत्स्यः, कूर्मः, वराहः, नृसिंहः, वामनः, परशुरामः रामः, कृष्णः, बुद्धः, कल्किः।
धर्मस्य दश लक्षणानि - धृतिः, क्षमाः, दमः, स्तेयं, शौचः, इन्द्रियनिग्रहः, धीः, विद्या, सत्यम्, अक्रोधी।
दश दिशः - पूर्वः, पश्चिमः, उत्तरः, दक्षिणः, अग्निकोणः, ईशानकोणः, वायव्यकोणः, नैऋत्यकोणः आकाशः, पृथिवी।
दश दिग्पालाः- इन्द्र, अग्नि, यमः, नितिः, वरुणः, वायुः, कुबेरः, ईशानः, ब्रह्मा, अनन्तः।
दशमः राष्ट्रपतिः - ज्ञानी जैलसिंहः
दशमः प्रधानमंत्री - श्री विश्वनाथप्रताप सिंहः

गंगास्तुति

गंगां वारि मनोहारि मुरारिचरणच्युतं। त्रिपुरारिशिरश्चारि पापहारि पुनातु मां।।

अर्थात् गंगा का जल जो मनोहारि है, विष्णु के श्रीचरणों से जिसका जन्म हुआ है, जो भगवान् शंकर के सिर पर विराजित हैं, जो पापहारिणी है, हे माँ तू मुझे शुद्ध कर।

कुछ पर्यायवाची शब्द (प्रतिशब्द)

अनोखा -अद्भुत, अद्वितीय, अनुपम, अतुल, अनूठा, अपूर्व, अलौकिक।
अमृत -अमिय, पीयूष, सुधा, सोम, मधु, सुरभोग।
अर्जुन -पार्थ, धनञ्जय, कौन्तेय, गुडाकेश, भारत, गाण्डीवधारी।
अंग -अवयव, अंश, भाग, हिस्सा।
अहंकार -गर्व, दर्प, दम्भ, अभिमान, घमण्ड, अहं।
आकाश -नभ, अन्तरिक्ष, अम्बर, अनन्त, गगन, व्योम, शून्य, अनन्त, आसमान।
आँख -नेत्र, चक्षु, अक्षि, नयन, दृग, दृष्टि, लोचन, विलोचन।
आग -अग्नि, अनल, पावक, ज्वाला, धनञ्जय, कृशानु, वैश्वानर, हुताशन, दहन, धूमकेतु, धूमशिखा।
आम -आम्र, रसाल, सहकार, अमृतफल।
आरम्भ -श्रीगणेश, प्रारम्भ, शुभारम्भ, शुरुआत, समारम्भ।
इच्छा -अभिलाषा, आकांक्षा, मनोरथ, स्पृहा, वाञ्छा, ईहा, कामना।
कपडा -वसन, वस्त्र, भूषा, पट, चीर, अम्बर।
कमल -अम्भोज, अब्ज, अम्बुज, अरविन्द, जलज, कंज, पंकज, पद्म, राजीव, सरोज, सरोरुह, सरसिज, नलिन, पुण्डरीक, शतदल।
किरण -रश्मि, प्रभा, अंशु, कर, मयूख, मरीचि, अर्चि, गो।
कोयल -कोकिल, कोकिला, पिक, परभृत, वसन्तदूती, वसन्तप्रिय।
गधा -गर्दभ, रासभ, खर, गदहा, वैशाखनन्दन, धूसर।
गंगा -जाह्नवी, सुरसरि, त्रिपथगा, देवापगा, देवनदी, भागीरथी, मन्दाकिनी, विष्णुपदी।
गाय -गौ, धेनु, सुरभि, गैया, गऊ, दोग्ध्री, पयस्विनी, गोपा।
घर -गृह, गेह, आलय, कुटी, धाम, निकेतन, निलय, सदन, भवन, आगार, आयतन, आवास।
घोडा -अश्व, तुरग, सैन्धव, घेटक, वाजि, हय।
चन्द्रमा -शशि, चन्द्र, मयंक, राकेश, राकापति, इन्दु, मृगांक, सुधाकर, हिमाकर, निशाकर, कलानिधि।
जंगल -अरण्य, वन, कानन, विपिन, कान्तार।
जीभ -जिह्वा, रसना, रसज्ञा, रसिका, रसला, जबान।
झण्डा -ध्वज, ध्वजा, पताका, केतु, केतन।
दुःख -शोक, कष्ट, संकट, पीडा, व्यथा, क्लेश, वेदना, यातना, यन्त्रणा, खेद।
द्रौपदी -सैरन्ध्री, कृष्णा, पाञ्चाली, याज्ञसेनी, द्रुपदसुता।
धन -द्रव्य, वित्त, सम्पत्ति, सम्पदा, विभूति, वैभव।
धनुष -धनु, चाप, शरासन, पिनाक, कोदण्ड, कमान।
नदी -सरिता, वाहिनी, तटिनी, आपगा, निम्नगा, तरङ्गिणी, स्रोतस्विनी, निर्झरिणी।
पक्षी -खग, विहग, विहंग, परिन्दा, चिडिया, शकुन्त, पतंग, द्विज, पत्रि।
पर्वत -गिरि, नग, भूधर, भूमिधर, अद्रि, पहाड, शैल, अचल, तुंग।

भारत-गौरव

भारत की राजधानी -नव देहली
भारत का क्षेत्रफल -32,87263 वर्ग किमी. (विश्व में 7वां स्थान)
भारत की जनसंख्या -1.36 अरब (एक सौ छत्तीस करोड़)
भारत में राज्यों की संख्या -28 (अट्ठाइस)
केन्द्र शासित राज्यों की संख्या -9 (नव)
विशेषधिकार प्राप्तानि राज्यानि -11(एकादश)
क्षेत्रफल दृष्ट्या सबसे बडा राज्य -राजस्थान (जनसंख्या में- उत्तरप्रदेश)
क्षेत्रफल दृष्ट्या सबसे छोटा राज्य -गोवा (जनसंख्या में- सिक्किम)
भारत का राष्ट्रिय-ध्वज - तिरङ्गा (केसरिया, श्वेत, हरित रंग, मध्य में चौबीस तीलियों वाला एक नीला चक्र. है, केसरिया शक्ति का, श्वेत शान्ति का और हरा समृद्धि का द्योतक है। ल.चौ. अनुपात- 3 : 2 है।)
भारत का राष्ट्रिय-पर्व - 26 जनवरी गणतन्त्रदिवस, 15 अगस्त स्वतन्त्रता दिवस, 2 अक्टूबर (गॉन्धी जयन्ति)
भारत का राष्ट्रिय-पुरस्कार - भारतरत्न, पद्मश्री, पद्मभूषण, पद्मविभूषण
संविधान द्वारा स्वीकृत-भाषा -22 (संविधान की आठवीं अनुसूची में स्वीकृत)
भारत में व्यवहृत मातृभाषाएँ -1652 (एक हजार छः सौ बावन)
भारत की राष्ट्रिय-भाषा - हिन्दी
भारत की राष्ट्रिय-लिपि - देवनागरी
भारत की सांस्कृतिक भाषा - संस्कृत-भाषा
भारत का राष्ट्रिय-वाक्य - सत्यमेव जयते-सत्य की ही जीत होती है (मुण्डकोपनिषद्)
भारत का राष्ट्रिय-उद्घोष - श्रमेव जयते
भारत की राष्ट्रिय-मुद्रा - रूपया
भारत की राष्ट्रिय-विदेशनीति - गुट-निरपेक्ष
राष्ट्रिय सूचनापत्र (दस्तावेज) - श्वेतपत्र
भारत का राष्ट्रीय पञ्चाङ्ग- शक संवत् 78 (ग्रिगेरियन कैलेण्डर आधारित)
राष्ट्रीय पञ्चाङ्ग की स्वीकृति- 22 मार्च 1957
भारत का राष्ट्रिय-ध्वजगीत - हिन्द देश का प्यारा झण्डा
भारत का राष्ट्रिय-चिह्न - सिंह स्तम्भ (अशोक) की शीर्ष अनुकृति, 26 जनवरी 1950 को इसे अपनाया गया।
भारत का राष्ट्रिय-सांस्कृतिक प्रतीक - मङ्गल-कलश
भारत का राष्ट्रिय-फल - आम्रम्/ आम
भारत की राष्ट्रिय-मिठाई - जलेबी
भारत की राष्ट्रिय-क्रीडा - हॉकी
भारत का राष्ट्रिय-जलीय-जीव - डाल्फिन मछली (एक स्तनधारी जलीय जीव)
भारत की राष्ट्रिय-नदी - गङ्गा नदी

भारत के राजकीय/ राष्ट्रीय उद्यान एवं अभ्यारण्य

अभ्यारण्य/राष्ट्रीय उद्यान	स्थान/ राज्य
1.काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	जोरहाट (असम)
2.मानस बाघ अभ्यारण्य	बारपेटा (असम)
3.केवला देव राष्ट्रीय उद्यान	भरतपुर (राजस्थान)
4 सुन्दरवन, बाघ अभ्यारण्य	24 परगना (पं0 बंगाल)
5.बान्धवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान	शहडोल (म0प्र0) बंगाल टाइगर की प्रसिद्धि
6.कान्हा राष्ट्रीय उद्यान	मण्डला, मध्य प्रदेश
7 दुधवा राष्ट्रीय उद्यान	लखीमपुर, उत्तर प्रदेश
8.चन्द्रप्रभा अभ्यारण	वाराणसी, उत्तर प्रदेश
9.कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान	नैनीताल, उत्तराखण्ड (भारत का प्रथम राष्ट्रीय उद्यान 1935 में बना यहाँ से रामगंगा नदी बहती है।
10.राजाजी राष्ट्रीय उद्यान	देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी गढ़वाल
11.दाचीगम राष्ट्रीय उद्यान	श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर)
12.रणथम्भौर (बाघ अभ्यारण्य)	जयपुर राजस्थान
13.घटाप्रभा पक्षी अभ्यारण्य	बेलगाम कर्णाटक
14.गिर राष्ट्रीय उद्यान	जूनागढ़, गुजरात
15.हजारीबाग नेशनल पार्क	हजारी बाग, झारखण्ड
16.पेरियार अभ्यारण्य	इडडुकी (केरल) जंगली हाथियों के लिए प्रसिद्ध है।
17.गहिरमाथा कछुआ अभ्यारण्य	केन्द्रपाड़ा (उड़ीसा)
18.विक्रमादित्य गांगेय डाल्फिन	भागलपुर (बिहार)
19.रानी झांसी मरीन नेशनल पार्क	अंडमान निकोबार द्वीप समूह
20.साइलेंट वैली नेशनल पार्क	पलक्कड़ (केरल)

1-4 नं.तक का यूनेस्को द्वारा प्रसिद्ध विश्व धरोहर स्थलों में सूचीबद्ध है।

-**भारत के जंगल**- देश के भौगोलिक क्षेत्र का 23 प्रतिशत है।

-**देश में सर्वाधिक उद्यान**- मध्य प्रदेश में हैं

-**भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान**- हिमिस, जम्मू-कश्मीर (लेह) में है।

-**भारत का सबसे बड़ा बाघ अभ्यारण्य**- नागार्जुन सागर आन्ध्र प्रदेश में है।

-**सबसे अधिक वन्यजीव**- अंडमान निकोबार द्वीप समूह।

-**नन्दा देवी राष्ट्रीय उद्यान (फूलों की घाटी)**- उत्तराखण्ड।

-**विश्व वन्य जीव कोष का प्रतीक**- पांडा है।

संस्कृत/पालि/प्राकृत के महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ-

ग्रन्थ	ग्रन्थकार	विवरण
व्याकरण-अष्टाध्यायी	महर्षि पाणिनि	व्याकरण का प्रतिनिधि ग्रन्थ
व्याकरण-महाभाष्यम्	,, पतंजलि	व्याकरण के सूत्रों एवं वार्तिकों की व्याख्या
योगसूत्रम्	महर्षि पतञ्जलि	योग का महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ
वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी	भट्टोजिदीक्षित	नव्य व्याकरण का मूल ग्रन्थ
लघुसिद्धान्त कौमुदी	आचार्य वरदराज	नव्य व्याकरण का लघु ग्रन्थ
कासिका वृत्ति	जयादित्य वामन	
महिम्नस्तोत्रम्	आचार्य पुष्पदन्त	भागवान् शिव की स्तुति
ताण्डवस्तोत्रम्	लंकाधिपति रावण	भागवान् शिव की स्तुति
दुर्गा सप्तशती	मुनि मार्कण्डेय	भगवती दुर्गा का माहात्म्य वर्णन
पञ्चतन्त्र	पं.विष्णुशर्मा	लोककथा, नीतिकथा
हितोपदेश	नारायण पण्डित	नीति कथा संगह
अर्थशास्त्र	कौटिल्य	अर्थशास्त्र/राजनीति विषयक आदिग्रन्थ
नाट्यशास्त्र	आचार्य भरतमुनि	नाट्यशास्त्र परम्परा का आदिग्रन्थ
काव्यप्रकाश	आचार्य मम्मट	काव्यशिक्षण का लक्षणग्रन्थ
स्वप्नवासवदत्ता	भास	उदयन-वासवदत्ता की प्रेम कथा
किरातार्जुनीयम्	भारवि	किरात वेशधारी शिव-अर्जुन का युद्ध
शिशुपालवधम्	माघ	श्रीकृष्णद्वारा शिशुपालबध
नैषधीयचरितम्	श्रीहर्ष	नल-दमयन्ती का चरित्र वर्णन
राजतरंगिणी	कल्हण	ऐतिहासिक महाकाव्य
कादम्बरी	बाणभट्ट	गद्य विधा का प्रसिद्ध ग्रन्थ
सांख्यकारिका	ईश्वरकृष्ण	दर्शन ग्रन्थ (सांख्य के 25 तत्त्वों का वर्णन)
कर्पूरमञ्जरी, काव्यमीमांसा	राजशेखर	
रावणवधम्	भट्टि कवि	नीतिसार — कामन्दक
कामसूत्र	वात्स्यायन	प्रमाणसमुच्चय — दिङ्नाग
काव्यादर्श, दशकुमार चरित	दण्डी	चन्द्रव्याकरण — चन्द्रगोमिन

भारतीय संवत् एवं उनके संस्थापक

महावीर सम्वत्	599 ई.पू.	-स्वामी महावीर जैन।
विक्रम सम्वत्	58	-विक्रमादित्य (मालवा संवत् अथवा कृत संवत्
शक् सम्वत्	78	-कुषाण वंशीय-कनिष्क द्वारा आरम्भ।
गुप्त सम्वत्	319	-चन्द्रगुप्तप्रथम द्वारा आरम्भ (बल्लभी सम्वत्)
हर्ष सम्वत्	606	-वर्धनवंशीय हर्ष द्वारा स्थापित।
इलाही सम्वत्		-मुगलशासक-अकबरद्वार-आरम्भ।
हिजरी संवत्	622	-हजरत मोहम्मद साहब

पन्थ-धर्म तथा उनके ग्रन्थ

(धर्मानुगो गच्छति जीव एकः)

स्थल	धर्म	धर्मग्रन्थ	प्रणेता
मन्दिर	हिन्दू (सनातन)	श्रीमद्भगवद्गीता	भगवान् श्रीकृष्ण
गुरुद्वारा	सिख	श्री गुरुग्रन्थसाहब	श्री गुरुनानाक
बौद्धमन्दिर	बौद्ध	त्रिपिटक	महात्मा बुद्ध
यज्ञशाला	आर्य-समाज	सत्यार्थप्रकाश	स्वामी दयानन्द सरस्वती
मन्दिर	जैन	जैनागम (जिनवाणी)	स्वामी महावीर
मस्जिद	इस्लाम	कुरान	हजरत मोहम्मद साहब
चर्च	ईसाई	बाइबिल	ईसा (क्राइस्ट)

धार्मिक, निम्नजातीय एवं समाज-सुधार आन्दोलन

संगठन	संस्थापक	वर्ष	स्थान
आत्मीय सभा	राजा राममोहन राय	1515	कलकत्ता
ब्रह्म समाज	राजा राममोहन राय	1828	कलकत्ता
धर्मसभा	राधाकान्त देव	1829	कलकत्ता
तत्त्वबोधिनी सभा	देवेन्द्रनाथ टैगोर	1834	कलकत्ता
राधा स्वामी सत्संग	तुलसीराम	1861	आगरा
भारतीय ब्रह्मसमाज	केशवचन्द्र सेन	1866	कलकत्ता
प्रार्थना समाज	आत्माराम पाण्डुरङ्ग	1867	मुम्बई
दार-ऊल-उलूम (देवबन्द)	मु.कासिम नौतनवी एवं राशिद अहमद गंगोही	1867	देवबन्द
सत्यशोधक समाज	ज्योतिबा फूले	1873	महाराष्ट्र
अलीगढ आन्दोलन	सर सैय्यद अहमद खान	1875	अलीगढ
आर्यसमाज	स्वामीदयानन्द सरस्वती	1875	मुम्बई
अहमदिया आन्दोलन	मिर्जा गुलाम अहमद	1889	फरीदकोट

आदिकाव्य रामायण और आदिकवि वाल्मीकि की आदि कविता-

एक दिन की बात है। प्रातः काल महर्षि वाल्मीकि तमसा नदी पर स्नान करने जा रहे थे, वहाँ उन्होने देखा कि पेड पर एक क्रौञ्च पक्षी का एक जोडा खेल (काम क्रीडा) रहा था। एक नर था दूसरा मादा। इसी बीच एक व्याध आया और तरकश से बाण निकालकर सन्धान किया और एक पक्षी को मार गिराया। मादा बेचारी इस दृश्य से आहत हो करुण-क्रन्दन करने लगी। निरीह, निर्दोष उस पक्षी की पीडा से पीडित महामुनि वाल्मीकि का गला भर आया, और करुणा-पूरित कण्ठ से छन्दोमयी वाणी निस्सरित हुई-

मा निषाद प्रतिष्ठां त्वम् अगमः शाश्वतीः समाः।
यत् क्रौञ्च-मिथुनादेकम् अवधीः काम-मोहितम् ॥

(वाल्मीकिरामायणे बालकाण्डे-2/15)

अर्थ- हे व्याध! (बहेलिए) तुमने काम-मोहित युगल क्रौञ्च (सारस)पक्षी में से एक का वध कर दिया, अतः तुम दीर्घकाल तक प्रतिष्ठा को मत प्राप्त हो।

भावार्थ- महामुनि वाल्मीकि ने कहा- अरे क्रूर शिकारी! प्यार से खेलते हुए इन बेचारे निरीह पक्षियों में से तुमने एक को मार गिराया। जबकि उनकी कोई गलती नहीं थी तुमने यह बडा भारी पाप किया है। तेरे इस अपराध को मैं क्षमा नहीं कर सकता। मै तुझे शाप देता हूँ, जा पापी, बहुत समय तक तुझे भी सुख-चैन प्राप्त न हो।

संसार को कवितामयी भाषा का यह प्रथम वरदान था। जिसे ब्रह्माजी सुन कर अवाक् रह गए। वे उसी समय महामुनि के पास आकर बोले- हे महामुने! वाणी आप के वश में हो गयी है। शब्द आप को सिद्ध हो गए हैं। आप की तपस्या धन्य है। आपने तीनों लोकों का कल्याण किया है। अब आप अपनी छन्दोमयी वाणी में श्रीराम की निर्मल एवं लोकोपकारी चरित्र का वर्णन करें। आप आदिकवि के नाम से जाने जाएंगे। ब्रह्माजी के आशीर्वाद से महर्षि वाल्मीकि को भूत-भविष्य-वर्तमान काल की घटनाओं को देख लेने व समझने शक्ति प्राप्त हो गई।

इस प्रकार एक पक्षी की करुण व्यथा से द्रवित अन्तर्मना महर्षि वाल्मीकि

ने लोक कल्याणकारी प्रभु श्रीराम की कथा को छन्दोबद्ध किया। जिसका नाम रामायण है। जो धर्म, प्रेम, भक्ति, ज्ञान, मर्यादा, सम्बन्ध साहित्य, कला, संस्कृति और इतिहास आदि का साक्षात् विग्रह है।

विश्वे भारतम्

विश्वस्य प्रथमः विश्वविद्यालयः	तक्षशिला विश्वविद्यालयः
संयुक्तराष्ट्रमहासभायाः प्रथम-महिला सभापतिः	श्रीमती विजयालक्ष्मी पण्डित
विश्वस्य वृहत्तमः संसदः	भारतम् (लोकसभा)
विश्वस्य बृहद् डेल्टा	सुन्दरवनम् (भारतम्)

सर्वोन्नतं पर्वत-शिखरम्	हिमालयः (माउण्ड एवरेसट)
लम्बायमानं रेलस्थानेकम् (प्लेटफार्मा)	खड्गपुरम् (पं. बंगालः)
बृहद् मार्ग सेतुः (पुल)	महात्मा गाँधी सेतुः (पटना)
बृहद् 'मस्जिद' भवनम्	जामा मस्जिद् (दिल्ली)
सर्वोन्नतः मीनारः	कुतुबमीनारः (दिल्ली)
विशालं महाकाव्यम्	महाभारत्

वेदोऽखिलो धर्ममूलम्

संसारस्य सर्वप्राचीनः ग्रन्थः अस्ति-	**वेदः**
वेदोत्पत्तिः अभवत् -	**भगवतः विष्णोः श्वांसतः**
'वेद' शब्दस्य अर्थः अस्ति-	**ज्ञानम्**
वेदाः सन्ति-	**चत्वारः (4)**
वेदविभाजकः, संकलयिता च-	**महर्षिः वेदव्यासः**

भारतीयः सम्वत् - संस्थापकश्च

विक्रम सम्वत्	- विक्रमादित्यः (मालवा सम्वत् अथवा कृत संम्वत् अपि कथ्यते।
शक सम्वत्	-कुषाण वंशस्य-कनिष्क द्वारा आरम्भः।
महावीर सम्वत्	-स्वामी महाबीरः जैन।
हर्ष सम्वत्	- वर्धनवंशीयः हर्षद्वारा स्थापितः।
इलाही सम्वत्	- मुगलशासक-अकबरद्वारा-आरम्भः।
गुप्त सम्वत्	- चन्द्रगुप्तप्रथम द्वारा आरम्भः (बल्लभी सम्वत्)

धर्मानुगो गच्छति जीव एकः (पन्थ-धर्मग्रन्थाश्च)

स्थलम्	धर्मः	धर्मग्रन्थः	प्रणेताः
मंदिरम्	हिन्दू (सनातन)	श्रीमद्भगवद्गीता	भगवान श्रीकृष्णः
गुरुद्वारम्	सिख-धर्मः	श्रीगुरुग्रन्थसाहबः	श्री गुरुनानकः
गुरुद्वारम्	बौद्ध-धर्मः	त्रिपिटिकः	महात्मा बुद्धः
यज्ञशाला	आर्य-समाजः	सत्यार्थ प्रकाशः	स्वामी दयानन्द सरस्वती
मंदिरम्	जैन-धर्मः	जैनागम (जिनवाणी)	महावीर स्वामी
मस्जिद्	इस्लामः	कुराणः	हजरत मोहम्मद साहबः
चर्च	ईसाई	बाइबिल	ईसा (क्राइस्ट)

रामायण- सम्बन्धिताः केचन प्रश्नाः तेषाम् उत्तराणि च-

1. लौकिक-संस्कृतस्य प्रथमं महाकाव्यम् अस्ति- **रामायणम्**
2. रामायणस्य द्वितीयं नाम अस्ति- **चतुर्विंशति साहस्री संहिता**
3. रामायण-महाकाव्ये कति काण्डाः सन्ति- **सप्त (7)**
4. रामायण-महाकाव्यस्य भाषा अस्ति- **संस्कृतम्**
5. लौकिक-संस्कृतस्य प्रथमः महाकविः अस्ति- **महर्षिःवाल्मीकिः**
6. महषिवाल्मीकेः पूर्वं किम् नाम आसीत्? **रत्नाकरः**
7. रत्नाकरः कः आसीत् ? **दस्युः (लुण्ठकः)**
8. रत्नाकरस्य पितुः नाम किम् आसीत्? **ऋषिः च्यवनः**
9. अहिल्यायाः उद्धारकर्त्ता कः आसीत्? **श्रीरामः**
10. रावणपुत्र-मेघनादस्य पत्न्याः नाम किम् आसीत्? **सुलोचना**
11. सीतायाः माता/पिता **जनकः/सुनयना**
12. रावणस्य मात-पिता- **विश्वश्रवा / कैकसी**
13. रावणस्य पत्नी का आसीत् **मन्दोदरी**
14. रामायणम् इत्यस्य सन्धि-विच्छेदः अस्ति- **1.राम+अयनम्** (राम की यात्रा)
    2. राम+आयनम् (राम का घर) दीर्घसन्धिः(अकः सवर्णे दीर्घः)।
15. रामायणम् अत्र कः समासः अस्ति? **षष्ठीतत्पुरुषसमासः**,(रामस्य आयनम्)
16. भगवान् शिवद्वारा प्रदत्तं रावणस्य विशिष्टम् शस्त्रम् - **चन्द्रहासः (खड्गम्)**
17. तादृशः मुस्लिम देशः यत्र प्रायः रामलीलायाः मञ्चनं भवति- **इण्डोनेशिया**
18. 'रामायण' इति धारावाहिकस्य निदेशकः अस्ति- **श्री रामानन्द सागरः**
19. एकश्लोकि रामायणम् - **आदौ रामतपोवनादि गमनं हत्वा मृगं काञ्चनं**
    वैदेही हरणं जटायु-मरणं सुग्रीव-सम्भाषणम् ।
    बाली निग्रहणं समुद्र-तरणं लङ्कापुरी दाहनम्
    पश्चाद् रावण-कुम्भकर्ण-हननम् एतद्धि रामायणम्।।
20. राम-भरतादीनां जन्म, शिक्षा,शिवधनुष-भङ्गः,विवाहादि वर्णनम् अस्ति- **बालकाण्डे**
21. रामवनवासः, राज्ञःदशरथस्य स्वर्गवासः,भरतादीनां वनगमनञ्च अस्ति- **अयोध्याकाण्डे**
22. शूर्पणखा-सम्वादः, सीताहरणं, जटायुमरणं, मारीचादीनां वधः,अस्ति- **अरण्यकाण्डे**
23. राम-सुग्रीवमैत्री, बालिबधः, सुग्रीवराज्याभिषेकः, सीतान्वेषणञ्च अस्ति- **किष्किन्धाकाण्डे**
24. हनुमानद्वारा लङ्कतरणं,सीतादर्शनं, लङ्कादाहनं, समुद्रप्रार्थनादिकञ्च अस्ति- **सुन्दरकाण्डे**
25. विभीषणस्य शरणागतिः, भगवतः हनुमतः चरित्रवर्णनं च अस्ति- **सुन्दरकाण्डे**
26. रामायणस्य कस्य काण्डस्य पाठः प्रसिद्धम् अस्ति- **सुन्दरकाण्डस्य**
27. समुद्रसेतु-निर्माणं, श्रीरामेश्वरपूजनं, लक्ष्मणस्य मूर्च्छा-उपचारः मेघनाद-कुम्भकर्णहननं, रावणवधः, विभीषणस्य राज्याभिषेकः, अयोध्या-प्रस्थानादिकञ्च अस्ति- **लङ्काकाण्डे**

28. उपसंहारः, अयोध्यायां विजयोल्लासः, रामराज्याभिषेकः,सीतापरित्यागः,अश्वमेधयज्ञ,रामसेना-लवकुश युद्धं,यज्ञे लवकुश-द्वारा रामकथा गायनं, सीता-समाहिता, लक्ष्मण- परित्यागः, सर्वैः सह महाप्रस्थानादिकञ्च वर्णितम् अस्ति- **उत्तरकाण्डे**

29. वाल्मीकेः परिचयः:- मैं प्रचेता का दसवां पुत्र हूँ।

30. रामायण पढने सुनने समझने के बाद आप को कैसा लगा?

रामायणे राम वंशावलिः-

दशरथः- कौशल्या	कैकेयी		सुमित्रा
रामः	भरतः	लक्ष्मणः	शत्रुघ्नः
सीता	माण्डवी	उर्मिला	श्रुतकीर्तिः
लवः-कुशः	तक्षः-पुष्कलः	अङ्गदः-चन्द्रकान्तः	सुबाहुः-शत्रुघाती
उत्तरकौशल-राज्यम् श्रावस्ती	तक्षशिला-	कारुमथः-	मथुरा-
दक्षिणकौशल-राज्यम् कुशावती	पुष्कलावर्तः	चन्द्रकान्तनगरम्	विदिशा

रामायणस्य प्रमुख-पात्राणि-

पुरुष-अभिनेतारः- दशरथः, जनकः, रामः, भरतः, लक्ष्मणः, शत्रुघ्नः, सुमन्तः, जटायुः, सम्पातिः, हनुमान्, सुग्रीवः, बालिः, जामवन्तः, विभीषणः, मारीचः, सुबाहुः, खर-दूषणः, रावणः, कुम्भकर्णः, सुमाली, मेघनादः, अक्षयकुमारः, लवः, कुशः, वसिष्ठः, विश्वमित्रः, शृंगीऋषिः, अत्रिः, दुर्वासा, अगस्त्यः, शरभङ्गः, पुलस्त्यः, सुषेण-वैद्यः इत्यादयः।

स्त्री-अभिनेत्र्यः- कौशल्या, कैकेयी, सुमित्रा, मन्थरा, सीता, माण्डवी, उर्मिला, श्रुतकीर्ति, अहिल्या, ताडका, त्रिजटा, शूर्पणखा, मन्दोदरी, सुलोचना, तारा।

स्थानम्- अयोध्या, मिथिला, लङ्का, शृंगवेरपुरम्, सरयू, गोमती, त्रेतायुगः, रघुवंशः, लक्ष्मणरेखा, अशोकवाटिका, चित्रकूटः, ऋषिमुखपर्वतः, दण्डकावनम्, नैमिषरण्यम्, रामेश्वरम्, किष्किन्धा।

अन्यत्- कोपभवनम्, जनकप्रतिज्ञा, स्वयम्वरः, धनुषयज्ञः, पुत्रकामेष्टियज्ञः, अश्वमेधयज्ञः, राज्याभिषेकः, रामराज्यम्, शिवधनुः, शक्तिबाणः, नागपाशः, सञ्जीवनी, स्वर्णमृगः, मुद्रिका, चूडामणिः, पातिव्रतधर्मः, राक्षस-सेना, वानर-सेना, पुष्पक-विमानम्।

प्रमुखपात्राणाम् उपनामानि, प्रसिद्धिश्च-

दशरथः- चक्रवर्ती-सम्राटः, अयोध्यानरेशः, वात्सल्य-पालकः, रघुकुलपरम्परा-पालकः

रामः- मर्यादापुरुषोत्तमः, भगवतः विष्णोः सप्तमः अवतारः

भरतः- धर्मावतारः, भगवतः ब्रह्मणः अवतार

लक्ष्मणः- शेषनागावतारः **शत्रुघ्नः-** भगवतः शिवस्य अवतारः

सीता- वैदेही, जनकनन्दिनी, **जनकः-** विदेहः, मिथिलानरेशः

रावणः- दशाननः, दशग्रीवः, लङ्कानरेशः, राक्षसराजः

मेघनादः- इन्द्रजीतः **मन्थरा-** कुब्जा, कैकेय्याः दासी

धन्योऽयं भारत-देशः

1. धन्वन्तरिः कस्य विषयस्य जन्मदाता आसीत्? — आयुर्विज्ञानस्य
2. भगवत् प्रेममध्ये विषम् अमृतं मत्वा अपिबत्? — मीराबाई
3. होलिका प्रह्लादं गृहीत्वा अग्नौ प्रविष्टवती, सादग्धवती परं प्रह्लादः सुरक्षितः आसीत् किम् कारणम्? — ईश्वरभक्तिः
4. गया तीर्थं कस्याः नद्याः तटे अस्ति? — फल्गूवधाः
5. "मैं विधर्मी के सामने अपना मस्तक नहीं झुकाऊँगा" इति कः उक्तवान्? — छत्रपति शिवाजी
6. एकस्मिन वर्षे कति ऋतः भवन्ति? — षट्
7. वीरचन्द्रशेखर आजादस्य पार्श्वे किं किं सदा भवतिस्म? — 1. यज्ञोपवीतम् 2 गीता, 3. भुसुण्डिः
8. कस्य नगरस्य प्राचीनं नाम पाटलिपुत्रम् अस्ति? — पटना
9. गंगासागरतीर्थं कस्मिन राज्ये अस्ति? — पं0 बंगाल
10. प्रसिद्धं कामाख्या देवी मन्दिरं कुत्र अस्ति? — गुवाहाटी असम
11. तानसेनः कस्य दरबार कविः अस्ति? — अकबरस्य
12. अमृतसरे किं प्रसिद्धं मन्दिरम् अस्ति? — स्वर्ण मन्दिरम्
13. भक्त प्रह्लादस्य मातुः नाम किम् अस्ति? — कयाधुः
14. पुरी उडीसायं प्रसिद्धं मन्दिरम् अस्ति? — जगन्नाथ मन्दिर
15. 'मिसाइन मैन' इतिनाम्ना प्रसिद्धः अस्ति? — डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
16. बेलूरमठ संस्थापकः कः अस्ति? — स्वामी विवेकानन्दः
17. बुद्धजन्मस्थली लुम्बिनी कस्मिन् देशे अस्ति? — नेपालदेशे
18. सारबमती आश्रमः कुत्र अस्ति? — गुर्जरप्रान्ते
19. स्वामी रामकृष्णपरमहंसस्य प्रारम्भिकं नाम- — श्रीगदाधर चटर्जी
20. स्वामी रामकृष्णपरमहंसस्य कस्याः उपासकः आसीत्। — काली मातुः
21. राजाराममोहनरायः केषां सामाजिक कुरुतीनां विरोधं अकरोत्। — बहुविवाहः, सतीप्रथा, बालविवाहः, पर्दाप्रथा
22. आधुनिकभारतीय पुनर्जागरणस्य जनकः कः? — राजाराम मोहन रायः
23. राजा! इत्युपाधिना कः सम्बोधितवान्? — मुगलशासकः अकबर द्वितीयः
24. महात्मागान्धिनः व्यावसायिकं जीवनं कस्मिन् रूपे आसीत्। — वाक्कीलः
25. महात्मागान्धिनः राजनीतिकगुरु कः आसीत्? — श्री गोपालकृष्ण गोखले
26. बंगप्रदेशे दुर्गापुजायाः आरम्भ कः कृतवान्- — गोपालकृष्ण गोखले

कनिष्ठवर्गः कक्षा- 6, 7, 8

1. 'द्रोणाचार्यः' केषां गुरुः आसीत्? — कौरव-पाण्डवानाम्
2. संगीते कति स्वराः भवन्ति? — सप्त
3. सर्वविद्यायाः राजधानी कथ्यते? — वाराणसी
4. संस्कृत-व्याकरणस्य प्रणेता मुनिः कः अस्ति? — महर्षिः पाणिनिः
5. शल्यचिकित्सायाः जनकः कः कथ्यते? — सुश्रुतः
6. 'संस्कृतदिवसः' कदा आचर्यते? — श्रावणपूर्णिमा
7. 'गोदानम्' कस्य रचना अस्ति? — मुंशी प्रेमचन्दस्य
8. भारतस्य ध्वजे 'चक्रः' कस्य वर्णस्य अस्ति? — नील वर्णस्य (24 अरयः सन्ति)
9. वाराणस्याः प्राचीनं नाम किम् अस्ति? — काशी
10. संस्कृते कति स्वरवर्णाः सन्ति? — नव (अ,इ,उ,ऋ,ऌ,ए, ओ, ऐ, औ)
11. भारतस्य सर्वोच्च नागरिकसम्मानः किम् अस्ति? — भारतरत्नम्
12 अपठत् कस्य कालस्य क्रिया अस्ति? — भूतकालस्य
13. भारतीय द्वादश मासानाम् आरम्भः मासः कः? — चैत्रमासः
14. श्रीरामस्य कतिवर्षाणां वनवासः आसीत् ? — द्वादश
15. पञ्चतन्त्रस्य रचनाकारः कः अस्ति? — पं. विष्णुशर्मा
16. प्रतिवर्षं 26 जनवरी किं स्मारयति? — गणतन्त्र दिवसम्
17. स्वामी विवेकानन्दस्य गुरुः कः आसीत् ? स्वामी रामकृष्ण परमहंसः (माँ काली उपासकाः)
18. कः भारतीय वैज्ञानिकः राष्ट्रपति अपि आसीत् ? डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलामः
19. उत्तरप्रदेशस्य राजधानी का अस्ति? — लक्ष्मणपुरम् (लखनऊ)
20. 'जय जवान जय किसान' कः उक्तवान् ? — श्रीलालबहादुरशास्त्री
21. प्रथममहाकाव्यं रामायणं कस्यां भाषायाम् अस्ति? संस्कृतभाषायाम्
22 'विद्यालयः' अस्य सन्धि विच्छेदं कुर्वन्तु? — विद्या+आलयः (दीर्घ सन्धिः)
23. 'निम्बुके' किं तत्वं (विटामिन) प्राप्यते? — विटामिन सी
24. कर्णस्य गुरुः कः आसीत् ? — ब्रह्मर्षि परशुरामः
25. भारतीय संस्कृतौ कति पुरयः सन्ति? — सप्त
26. सूर्यनमस्कारे कति आसनानि भवन्ति? — द्वादश
27. श्रीमद्भगवतद्गीतायां कति अध्यायाः सन्ति? — अष्टादश
28. 'नेत्रम्' इत्यस्य पर्यायवाची शब्दः कः? — लोचनम्, चक्षुः अक्षि, दृग्
29. आर्यसमाजस्य संस्थापकः कः अस्ति? — स्वामीदयानन्द सरस्वती
30. भारतस्य राष्ट्रपतिः कः अस्ति? — डॉ. रामनाथ कोविंदः
31. 'नद्यः' कस्य वचनस्य रूपम् अस्ति? — प्रथमविभक्ति- बहुवचनस्य
32. गुणसन्धि विधायकं सूत्रम् , उदाहरणं च लिखन्तु।
33. 'पठ्' धातोः लट् लकारस्य रूपाणि लिखन्तु?
34. 'गङ्गा' शब्दस्य पर्यायवाची शब्दान् लिखन्तु?
35. 'संस्कृतभाषायाः महत्वम्' पञ्च वाक्येषु लिखन्तु?

गंगा हरीतिमा योजना को समर्पित
भारतीय वैभव ज्ञान परीक्षा-2018-19